

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



युवा रालोद के जिला अध्यक्ष इरकान अली के 3 वर्ष पूरे होने पर पेज: 2

तेलुगु इंडस्ट्री में लोग सिनेमा को सेलिब्रेट करते हैं पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 183 | बुधवार 07 अक्टूबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

एयरपोर्ट के लेबर कैंप में आग, 33 कमरे जले

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ एयरपोर्ट परिसर में बने लेबर कैंप में मंगलवार सुबह 6:30 बजे आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में तीन मंजिला बिल्डिंग जल गई। धुआं 2 किमी दूर तक दिखाई दिया। तुरंत फायर ब्रिगेड की 6 गाडिय़ां पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दो मजदूर घायल हुए हैं। एक आग की चपेट में आने से झुलस गया, जबकि दूसरा दूसरी मंजिल से कूदने की वजह से चोटिल हुआ। जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह टर्मिनल से करीब 250-300 मीटर दूर है। इसे मजदूरों के रहने के लिए अस्थायी तौर पर पीवीसी यानी प्लास्टिक से बनाया गया था। यही वजह थी कि आग बहुत तेजी से फैली। हालांकि, इस हादसे से विमानों के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। किसी के हताहत होने की भी सूचना नहीं है। आग कैसे लगी, इसकी जांच की जा रही है। एयरपोर्ट परिसर की इस बिल्डिंग में 33 छोटे कमरे हैं। इसमें करीब 300 मजदूर रहते हैं। वे परिसर में एक होटल का निर्माण कर रहे हैं।

अवैध हथियारों की बिक्री में शामिल युवक पकड़ाया, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल(एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में अवैध हथियारों की बिक्री में शामिल व्यक्ति को सरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा कर्मियों के एक दल ने सोमवार को थम्बालनू बाजार में अभियान चलाया और संदिग्ध को पकड़ा। वह अवैध हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों की खरीद और बिक्री में शामिल है। जांच में पता चला कि आरोपी ने जुलाई में दो महिलाओं के जरिए 10,000 रुपए में एक व्यक्ति को एक हथगोला मुहैया कराया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने सोमवार को चुराचांदपुर जिले के कुकिमुन गांव में बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक जब्त किए। पुलिस के मुताबिक फ्रदो 9 एमएम कार्बाइन मशीन गन, तीन 9 एमएम पिस्तौल, सात सिंगल बैरल बोल्ट-एक्शन राइफल, एक हैंड ग्रेनेड, एक मोर्टार बम और दो देसी मोर्टार बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि जब्त हथियार और गोला-बारूद जिले के हेंगलेप पुलिस थाने को सौंप दिए हैं। बता दें मई 2023 में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से सुरक्षा बल मणिपुर के सभी जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर नियंत्रण के लिए अभियान चला रहे हैं। घाटी में रहने वाले मेइती और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच मई 2023 में शुरू हुए जातीय संघर्ष में कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अब भी लापता हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

कर्नाटक में बीयर की बढ़ती खपत से डीके सरकार की ताबड़तोड़ कमाई

बेंगलुरु(एजेंसी)। शराब मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के बावजूद, राज्य सरकारों के लिए राजस्व का एक बड़ा स्रोत बनी हुई है। इसी कड़ी में, कर्नाटक की डीके शिवकुमार सरकार ने हाल ही में आबकारी विभाग से जबरदस्त कमाई दर्ज की है। जुलाई से सितंबर 2026 के दूसरे क्वार्टर के दौरान, राज्य को 11,595.88 करोड़ का राजस्व मिला, जो पिछले साल इसी अवधि के 10,303.94 करोड़ रुपये से 12.54 प्रतिशत अधिक है। इस महत्वपूर्ण वृद्धि का मुख्य कारण बीयर और इंडियन मेड लिकर (आईएमएल) की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी रही है। कर्नाटक सरकार के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में बीयर की बिक्री में अप्रत्याशित उछाल दिखाई दिया। जुलाई-सितंबर 2026 के दौरान 126.68 लाख केस बॉक्स बीयर बेची गई, जबकि बीते साल यह आंकड़ा 84.63 लाख केस बॉक्स था। यह सालाना आधार पर करीब 49.69 प्रतिशत की भारी वृद्धि को दिखाता है। बीयर की बढ़ती लोकप्रियता का सीधा असर सरकार की आय पर पड़ा, जिससे आबकारी राजस्व 1,234.50 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,463.07 करोड़ रुपये हो गया, जो 18.52 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

नई दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन से पहले पुलिस नोटिस पर हंगामा, दिपके ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया कि पुलिस दिल्ली में 10 अक्टूबर को होने वाले पार्टी के प्रस्तावित आंदोलन से पहले कार्यकर्ताओं को नोटिस भेजकर उन पर दबाव बना रही है। दिपके ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधकर दावा किया कि एक देश, एक चुनाव सिर्फ़ एक नारा है और इसका असली मक़सद एक देश, एक राजनीतिक पार्टी स्थापित करना है। सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन करने का आह्वान किया है। छत्रपति संभाजीनगर में प्रेसवार्ता को संबोधित कर दिपके ने बताया कि चंद्रपुर पुलिस ने सीजेपी कार्यकर्ताओं को नोटिस भेजकर उनसे दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन में शामिल न होने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने कार्यकर्ताओं के दिल्ली यात्रा खर्च के स्रोत के बारे में भी पूछताछ की। दिपके ने महाराष्ट्र पुलिस को देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस फ़ोर्स बताकर दुख व्यक्त किया कि चंद्रपुर पुलिस ने इस तरह की कार्रवाई की है।

मेडिकल सिर्फ साइंस और टेक्नोलॉजी का ही नहीं, दया और भरोसे का भी क्षेत्र : राष्ट्रपति मुर्मु



नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर स्वास्थ्य सेवा का आर्थिक बोझ कम करने में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की भूमिका पर जोर दिया। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को हर परिवार के लिए सालाना 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य कवर मिलता है। हिमाचल प्रदेश में एम्स बिलासपुर के पहले दीक्षांत समारोह में बोलते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इस योजना के तहत इलाज पर 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए हैं और इसके लाभार्थियों की संख्या 50 करोड़ से ज्यादा हो गई है। उन्होंने संबंधित लोगों से कहा कि वे यह पक्का करें कि स्वास्थ्य सुरक्षा के इन उपायों की जानकारी दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों तक पहुंचे। राष्ट्रपति ने एम्स बिलासपुर के पहले बैच के ग्रेजुएट्स को डिग्रियां दीं और उनसे जीवन भर सीखते रहने का आग्रह किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने ग्रेजुएट्स से कहा कि वे बदलते मेडिकल तरीकों और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ कदम मिलाकर चलें और साथ ही रिसर्च को ऐसे इनोवेशन में बदलें, जिससे लोगों की जिंदगी बेहतर हो। उन्होंने कहा, ह्यमेडिकल का क्षेत्र सिर्फ साइंस और टेक्नोलॉजी का क्षेत्र नहीं है। यह असल में दया और भरोसे का भी क्षेत्र है। उन्होंने ग्रेजुएट्स को अपने काम में लोगों की जरूरतों को सबसे ऊपर रखने के लिए प्रोत्साहित किया, खासकर उन लोगों की जरूरतों को जो दूर-दराज और दुर्गम इलाकों में रहते हैं और जहां तक खास मेडिकल सुविधाएं आसानी से नहीं पहुंच पातीं। एम्स बिलासपुर की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए, उन्होंने संस्थान और उसके ग्रेजुएट्स से कहा कि वे इस इलाके में उच्च-स्तरीय स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने की दिशा में काम करें। इसमें टेली-मेडिसिन, एक्सपर्ट से सलाह, मेडिकल स्टाफ की ट्रेनिंग और आधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल शामिल है। इस मौके पर बोलते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने पिछले 12 सालों में देश में मेडिकल शिक्षा के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों की संख्या 384 से बढ़कर 800 से ज्यादा हो गई

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने केंद्र सरकार के उस लक्ष्य के बारे में बताया, जिसके तहत 2029 तक 75,000 अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी। इसमें 10,000 अतिरिक्त एमबीबीएस....

है, जबकि अंडरग्रेजुएट मेडिकल सीटों की संख्या 51,348 से बढ़कर 1.42 लाख हो गई है। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने केंद्र सरकार के उस लक्ष्य के बारे में बताया, जिसके तहत 2029 तक 75,000 अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी। इसमें 10,000 अतिरिक्त एमबीबीएस और पीजी सीटें बनाने के लिए 15,000 करोड़ रुपए का आवंटन भी शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में एम्स नेटवर्क के विस्तार का जिक्र करते हुए, केंद्रीय मंत्री नड्डा ने बताया कि जहां कई दशकों तक देश में सिर्फ एक एम्स था, वहीं पिछले 12 सालों में 16 नए एम्स बनाए गए हैं। एम्स बिलासपुर के बारे में बात करते हुए, नड्डा ने बताया कि संस्थान ने 750 बेड के शुरूआती लक्ष्य से आगे बढ़कर अब 776 बेड की क्षमता हासिल कर ली है, और यहां 26 स्पेशलिटीज और 15 सुपर-स्पेशलिटीज पूरी तरह से काम कर रही हैं।

उन्होंने जटिल सर्जरी, कार्डियक कैथेटेराइजेशन इंटरवेंशन, न्यूरोसर्जरी, व्यापक देखभाल, कैंसर देखभाल और रेडियोथेरेपी सेवाओं की उपलब्धता पर जोर दिया और बताया कि यह प्रगति पिछले पांच सालों में हासिल की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले चार सालों में संस्थान में ओपीडी कंसल्टेशन की संख्या 12 लाख और आईपीडी एडमिशन की संख्या 1 लाख से ज्यादा हो गई है।

भ्रष्टाचार से घिरी पंजाब सरकार, राहत के लिए पहुंची सुप्रीम कोर्ट

-हाईकोर्ट दे चुका है सीबीआई जांच का आदेश

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें मुख्यमंत्री के एक विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) भी शामिल हैं, पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की सीबीआई जांच के आदेश दिए जाने के बाद पंजाब में सियासी भूचाल आ गया है। इस आदेश को अपनी सरकार पर सीधा हमला मानते हुए भगवंत मान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लिया है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने यह पुष्टि की थी कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय जाएगी।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा साझा किए गए दस्तावेज़ प्रथम दृष्टया इन अधिकारियों के भ्रष्टाचार में संलिप्त होने का संकेत देते हैं, जिसके बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को जांच सौंपना उचित होगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब आम आदमी पार्टी (आप) सरकार भ्रष्टाचार के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं की अपनी नीति का लगातार दावा करती रही है। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद विपक्षी दलों ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया है। भाजपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान से तत्काल इस्तीफे की मांग की। ढिल्लों ने आरोप लगाया कि अदालत के फैसले ने आप सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। इसी तरह, पंजाब कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष परगट सिंह ने भी उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया और जोर दिया कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और तय समय-सीमा के भीतर होनी चाहिए, जिसमें किसी भी प्रकार की देरी या राजनीतिक दबाव की गुंजाइश न हो।

मणिशंकर के बयान पर सिब्बल का पलटवार: भारत ही क्यों करे शांति के लिए रियायत?

पूर्व विदेश सचिव ने कांग्रेस नेता को दिखा दिया आईना

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर के भारत-पाकिस्तान और भारत-चीन संबंधों को लेकर दिए बयान ने नई बहस छेड़ दी है। उनके बयान पर पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने तीखी प्रतिक्रिया देकर सवाल उठाया है कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए भारत ही क्यों एकतरफा रियायतें दे, जबकि पड़ोसी देश बदले में क्या देने को तैयार हैं?

दरअसल पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर ने कहा था कि दक्षिण एशिया की एक मजबूत आवाज़ तभी सामने आ सकती है, जब भारत पाकिस्तान के साथ शांति स्थापित करे और चीन के साथ सीमा विवाद सुलझाए। उन्होंने जोर दिया कि इन दोनों मामलों का समाधान बातचीत से ही संभव है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर ने सवाल उठाया कि जब भारत सर्जिकल स्ट्राइक करने का साहस दिखा सकता है, तब फिर



पाकिस्तान के साथ बातचीत की मेज पर बैठने का साहस क्यों नहीं दिखाता।

वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर के बयान पर कंवल सिब्बल ने पलटवार कर लिखा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ वर्षों तक बातचीत की है, इतना ही नहीं मुंबई आतंकी हमले के बाद भी शांति की कोशिश की, लेकिन इसका कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने सार्क को भी प्रभावी रूप से निष्क्रिय कर दिया है। पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने सवाल किया कि मौजूदा पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तान भारत के साथ शांति के लिए क्या रियायत देने को तैयार है, जबकि मुनीर दो-राष्ट्र सिद्धांत में विश्वास रखते हैं और हिंदू-मुस्लिम के बीच समानता के विचार को स्वीकार नहीं करते।

चीन को लेकर भी सिब्बल ने अय्यर की दलील पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच भी वर्षों से बातचीत जारी है, लेकिन इसके बावजूद ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि चीन सीमा विवाद को समान और न्यायसंगत आधार पर सुलझाने को तैयार है। पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने कहा कि शांति स्थापित करने का पूरा दायित्व भारत पर डालना उचित नहीं है, और यह मानना कि भारत ही समस्या पैदा करने वाला पक्ष है, एक अनावश्यक कूटनीतिक आत्म-भर्त्सना है।

ज्ञानेश से जुड़े 2006 के मामले की केरल सरकार कराएगी जांच... समय को लेकर उठे सवाल

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।
मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ केरल सरकार ने करीब दो दशक पुराने मामले में विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। केरल सरकार में गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने 4 अक्टूबर को विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो (वीएसीबी) को जांच के निर्देश दिए। मामला 2006 में कुमार के केरल लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव रहते केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (केएसटीपी) में कथित अनियमितताओं और मलेशियाई इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या से जुड़ा है।

केएसटीपी के तहत राज्य की प्रमुख सड़कों के उन्नयन का काम हो रहा था। एमसी रोड के एक हिस्से के विकास का करीब 215 करोड़ रुपये का ठेका इंडो-मलेशियन संयुक्त उपक्रम पाटिल-बीईएल को मिला था। परियोजना में जमीन अधिग्रहण में देरी के कारण काम प्रभावित हुआ और भुगतान को लेकर ठेकेदार तथा पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के बीच विवाद सामने आया। रिपोर्टों के मुताबिक, करीब 17 करोड़ रुपये के भुगतान रोक दिए गए थे। इस दौरान पाटिल-बीईएल के केरल में प्रोजेक्ट मैनेजर ली सी बीन ने 2006 में मलेशिया में आत्महत्या कर ली। रिपोर्टों के अनुसार, उनके कथित सुसाइड नोट में तत्कालीन पाटिल-बीईएल सचिव ज्ञानेश कुमार सहित कुछ अधिकारियों के नाम थे। नोट में भुगतान जारी करने में कथित बाधाओं और रिश्वत मांगने के आरोप लगाए थे। हालांकि, ये आरोप उस समय सामने आए थे और मौजूदा जांच का उद्देश्य उनकी सत्यता तथा पूरे मामले की परिस्थितियों की फिर पड़ताल करना है।

ली की मौत के बाद 2006 में विजिलेंस जांच शुरू की गई थी। तब ज्ञानेश कुमार को पीडब्ल्यूडी सचिव पद से हटाया गया और बाद में वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गए। पुरानी जांच आगे नहीं बढ़ सकी। अब सरकार ने शिकायत के आधार पर उस मामले को फिर खोलने का फैसला किया है। विजिलेंस विभाग 2005-06 के पीडब्ल्यूडी रिकॉर्ड और पहले हुई जांच से संबंधित दस्तावेजों की समीक्षा कर रहा है।

मामले को फिर खोलने का राजनीतिक संदर्भ भी महत्वपूर्ण है। यह कदम तब आया है जब ज्ञानेश कुमार को लेकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्षी दलों का विरोध जारी है और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। चुनाव आयोग ने एसआईआर से जुड़े फैसलों को आयोग द्वारा सामूहिक रूप से लिया गया बताया है। केरल सरकार का कहना है कि कानूनी राय लेने के बाद जांच में कोई कानूनी बाधा नहीं पाई गई। वहीं, बीजेपी ने दो दशक पुराने मामले को फिर खोलने के समय और पिछली सरकारों में हुई कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। फिलहाल ज्ञानेश कुमार की ओर से नई विजिलेंस जांच पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जांच के जरिए अब पुराने आरोपों, परियोजना से जुड़े रिकॉर्ड और पहले की जांच की स्थिति की नए सिरे से पड़ताल की जाएगी।

छलका सीएम यादव का दर्द बोले- बहुत महंगी पड़ गई लाडली बहना

भोपाल, एजेंसी।
मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लाडली बहना योजना को बहुत खर्चीली बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बनने के समय उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि आर्थिक बोझ इतना भारी होगा। राजधानी भोपाल में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बात हल्के-फुल्के अंदाज में कही, जिस पर राजनीतिक हलकों और सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव भोपाल के रवींद्र भवन में बुंदेली समागम-2026 कार्यक्रम में छतरपुर की बुंदेली कंटेंट क्रिएटर बिन्नू रानी के सवालों का जवाब दे रहे थे। जब बिन्नू ने बेटियों के लिए सरकार की भावी योजनाओं के बारे में पूछा, तो सीएम यादव ने हंसते हुए कहा, मुझे क्या मालूम था कि मुख्यमंत्री बनते ही इतनी भारी मार पड़ती है, लाडली बहना योजना बहुत खर्चीली साबित हुई।

उन्होंने मजाकिया लहजे में आगे कहा, बेटा ये अंदर की बात हैज मुझे क्या पता था कि मुख्यमंत्री बनते ही ऐसी मार पड़ती है। मोहन यादव के इस बयान पर विपक्षी दल कांग्रेस ने तुरंत निशाना साधा। पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता उमंग सिंघर ने तंज कसते हुए कहा, चुनाव से पहले लाडली और सत्ता में आते ही परेशानी। यही है भाजपा का महिला सम्मान। कांग्रेस ने भाजपा पर महिलाओं के प्रति दोहरे रवैये का आरोप लगाया, जिसमें चुनावी लाभ के लिए योजनाओं का वादा किया जाता है, लेकिन सत्ता में आने पर उनके वित्तीय बोझ पर चिंता व्यक्त की जाती है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि बहनों के मामले में कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने लाडली बहना योजना के सफर का जिक्र किया, जो 1000 रुपये से शुरू हुआ था और अब 1500 रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने बिन्नू रानी से कहा, चिंता मत करो। अभी तुम लाडली बहना योजना के लिए योग्य नहीं हो। थोड़ी और बड़ी हो जाओ, फिर हम तुम्हें यह योजना दे देंगे। यह टिप्पणी उनके हल्के-फुल्के अंदाज को दर्शाती है। सोशल मीडिया पर भी सीएम के बयान पर खूब चर्चा हुई। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे बच्ची के साथ किया गया एक मजाक बताया और कांग्रेस पर चुनाव नजदीक आने के कारण अनावश्यक रूप से हमलावर होने का आरोप लगाया। वहीं, कुछ अन्य लोगों ने कहा कि सीएम यादव के मुंह से सच्चाई निकल आई है और यह योजना मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के लिए गले की हड्डी बन गई है।

लोकसभा चुनाव-2029 की बहस के बीच टीवीके इंडिया गठबंधन में शामिल!

विजय की पीएम उम्मीदवारी पर संशय

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पार्टी, तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके), औपचारिक रूप से इंडिया गठबंधन का हिस्सा बन गई है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब देश में लोकसभा चुनाव 2029 के लिए प्रधानमंत्री पद के चेहरे और तीसरे मोर्चे की संभावनाओं को लेकर गहन बहस जारी है। हालांकि, संसद में फिलहाल टीवीके का कोई प्रतिनिधित्व न होने के कारण, इस गठबंधन का प्रभाव दिल्ली तक अभी सीमित है। कांग्रेस के तमिलनाडु प्रमुख बी मणिकम टैगोर ने टीवीके के इस फैसले को ऐतिहासिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में विपक्षी मोर्चा और अधिक मजबूत होगा, जिससे आरएसएस-भाजपा सरकार, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ राजनीतिक मुकाबला और प्रभावी ढंग से लड़ा जा सकेगा।

विजय के इस निर्णय को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की अटकलें हैं। एक पहलू इसे राजनीतिक मजबूरी से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके सबसे बड़ा दल बनकर उभरा था, लेकिन उसे केवल 108 सीटें ही मिली थीं। सरकार बनाने के लिए उसे कम से कम 10 और सीटों की आवश्यकता थी। ऐसे में कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों ने टीवीके का साथ दिया, और वीसीके व आईयूएमएल जैसे दलों के समर्थन से पार्टी राज्य की सत्ता तक पहुंच पाई। वहीं, इस फैसले को रणनीतिक आवश्यकता के रूप में भी देखा जा रहा है। पहली बात तो यह कि जिस गठबंधन के साथ टीवीके राज्य में सरकार चला रहा है, गठबंधन का ढांचा भी काफी हद तक वैसा ही है। दूसरा, यह कदम टीवीके को लोकसभा चुनाव 2029 में सीटों की मजबूत दावेदारी पेश करने का अवसर देगा, जिससे उसे राष्ट्रीय स्तर पर किसी नए गठबंधन की तलाश या गठन से मुक्ति मिलेगी। शनिवार को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस, टीवीके, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, वीसीके, एमडीएमके और आईयूएमएल के शीर्ष नेता शामिल हुए। टीवीके का प्रतिनिधित्व अधव अर्जुन और मारी विल्सन ने किया। टीवीके पहले मजबूती से सी जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के अगले चेहरे के तौर पर पेश कर रही थी, जिसके चलते कांग्रेस के साथ उसकी तीखी बयानबाजी भी हुई थी। अर्जुन ने कहा था, मैं आज साफ तौर पर कहता हूं कि प्रधानमंत्री दक्षिण से ही आना चाहिए और दक्षिण से ही प्रधानमंत्री बनेगा, हो सकता है अभी नहीं। भविष्य में वह हर भारतीय का प्रतिनिधित्व करेगा और हर भारतीय के साथ समान व्यवहार करेगा। अब गठबंधन में शामिल होने के बाद विजय



की प्रधानमंत्री उम्मीदवारी को लेकर नए सिरे से बहस शुरू हो सकती है।हाल ही में ऐसी खबरें भी आई थीं कि द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम सांसद कनिमोई कांग्रेस के बिना तीसरे मोर्चे के लिए क्षेत्रीय दलों को एकजुट करने का प्रयास कर रही हैं। इस संबंध में उन्होंने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी मुलाकात की थी, हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी।

हाईकोर्ट के निर्देश पर अमरोहा में स्लीपर और एसी बसों की सघन चेकिंग, 1.25 लाख का जुमार्ना





अमरोहा (सब का सपना):- उच्च न्यायालय के निर्देशों एवं अपर पुलिस महानिदेशक यातायात व सड़क सुरक्षा के निर्देशों के क्रम में जनपद अमरोहा में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व पुलिस उपाधीक्षक यातायात के पर्यवेक्षण में "टीं३ & ऋ्रीं३" विशेष अभियान के तहत स्लीपर एवं एसी बसों की विशेष चेकिंग चलाई जा रही है। इसी क्रम में यातायात निरीक्षक राजेंद्र सिंह द्वारा जोया टोल प्लाजा पर प्राइवेट एसी, सरकारी एसी एवं स्लीपर बसों की सघन चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान बसों में अग्निशामक यंत्र, आपातकालीन निकास, आपातकालीन सुरक्षा उपकरण एवं अन्य निर्धारित सुरक्षा मानकों की उपलब्धता और कार्यशीलता की जांच की गई। रात्रिकालीन संचालन के दौरान सुरक्षा मानकों के अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया गया। अभियान के दौरान बसों में यात्रा कर रहे यात्रियों से बातचीत कर उनकी सुरक्षा एवं सुविधाओं का जायजा लिया गया। विशेष रूप से महिलाओं, बालिकाओं एवं बच्चियों से संवाद कर यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली गई और किसी भी समस्या पर तत्काल पुलिस सहायता लेने हेतु जागरूक किया गया। चेकिंग के दौरान 10 वाहनों में प्रेशर हॉर्न, 5 वाहनों में फॉल्टी नंबर प्लेट व एक वाहन में मॉडिफाइड साइलेंसर लगा पाया गया, जिन पर कार्रवाई करते हुए 1 लाख 25 हजार रुपये का जुमार्ना किया गया। यातायात पुलिस ने बस संचालकों एवं चालकों को यातायात व सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए। यात्री सुरक्षा, विशेषकर महिला एवं बालिका सुरक्षा को लेकर यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

सरकारी धान क्रय केंद्र चालू करने व मुआवजे की मांग को लेकर किसानों का प्रदर्शन



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- सरकारी धान क्रय केंद्र शीघ्र चालू कराने तथा अतिवृष्टि से नष्ट हुई फसल का उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संगठन के कार्यकर्ता हसनपुर नगर के अतरासी अड्डा बाईपास चौराहे पर एकत्र हुए। वहां उन्होंने संबंधित विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। राष्ट्र सेवी संगठन के राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के किसान अपनी धान की लगभग 50 प्रतिशत फसल काट चुके हैं, इसके बावजूद सरकारी धान क्रय केंद्र चालू नहीं किए गए हैं। मजबूरी में किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों पर बिचौलियों को बेचनी पड़ रही है।उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई अत्यधिक वर्षा से किसानों की तैयार फसल को भारी नुकसान पहुंचा है, लेकिन बीमा कंपनियों ने अब तक राहत राशि या मुआवजा जारी नहीं किया है। उन्होंने कृषि मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की कि धान क्रय केंद्र तुरंत शुरू किए जाएं और नुकसान का आकलन कराकर मुआवजा वितरण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के प्रांत गन्ना प्रमुख महिपाल सिंह, जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह, एडवोकेट हरि प्रकाश राणा, नगर अध्यक्ष राजू चौहान, उमेश सैनी, सागर सिंह, त्रिलोकी जाटव, वसीम खान, मनोज कुमार, कुंवर पाल सिंह, चंद्रभान सिंह, मोनू अग्रवाल और राम सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वासुदेव मंदिर के पास मिले मीट के अवशेष, पुलिस ने कहा आवारा कुत्ते बाहर से लाए, भ्रामक खबर फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के वासुदेव मंदिर परिसर के पास मीट के अवशेष मिलने का मामला सामने आया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवशेष आवारा कुत्तों द्वारा बाहर से लाकर डाले गए हैं। पुलिस के अनुसार 05 अक्टूबर को शाम 7 से 8 बजे के बीच वासुदेव मंदिर परिसर के पास आवारा कुत्तों द्वारा मीट के कुछ अवशेष लाकर डाल दिए गए थे। इस संबंध में सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचना प्रसारित की जा रही थी। पुलिस जांच में मीट का टुकड़ा किसी प्रतिबंधित पशु का होना नहीं पाया गया है और न ही किसी व्यक्ति द्वारा अवशेष डालने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने आवारा कुत्ते द्वारा मीट का टुकड़ा ले जाते हुए वीडियो भी जारी किया है। मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में भी आवारा कुत्तों द्वारा बाहर से मीट के अवशेष लाकर मंदिर परिसर के पास डालना पाया गया है। उक्त अवशेषों को देव पुत्र भगवान दास निवासी मोहल्ला शास्त्री नगर तथा मंदिर परिसर में रहने वाले दीपक ने देखकर उठाया और दूर निर्जन स्थान पर रख दिया। सूचना पर मौके पर पशु चिकित्सक को बुलाकर सैंपल लिया गया तथा अवशेषों को गड्ढा खोदकर दबा दिया गया। पुलिस ने कहा है कि प्रकरण में भ्रामक सूचना फैलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मंडी धनौरा क्षेत्र की 6 बालिकाओं का राज्यस्तरीय कबड्डी के लिए चयन, ग्राम प्रधान एवं प्रधानाचार्य ने किया सम्मानित





धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र के प्रसिद्ध कंपोजिट विद्यालय की छः बालिकाओं का राज्य स्तरीय कबड्डी के लिए चयन किया गया है। इन सभी बालिकाओं ने विगत कई वर्षों से प्रदेश स्तर तक अमरोहा और मंडल का नाम रोशन किया है। खेल जगत में खेलों की यूनिवर्सिटी के नाम से प्रसिद्ध धनौरा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय ढ्योटी के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। इस उपलब्धि के लिए विद्यालय परिसर में एक सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान सभी बालिकाओं को ग्राम प्रशासक एवं प्रधानाचार्य द्वारा सम्मानित भी किया गया। बता दें कि 5 सितंबर को आयोजित मंडलीय कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय की छात्राएं खुशनबी, अनम, सबा, नैन्सी, भावना और उजमा ने राज्य स्तर पर अपनी जगह पक्की की। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 14 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक गोरखपुर में आयोजित की जाएगी, जहां ये बालिकाएं अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।इस उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान ग्राम प्रशासक उधम गिल और प्रधानाचार्य यशकांत ने राज्य स्तर पर चयनित सभी बालिकाओं को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही, बालिकाओं की इस सफलता के पीछे उनके कोच सुमित यादव और सुनील भाटी के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।कंपोजिट विद्यालय ढयोटी का खेल इतिहास बेहद गौरवशाली रहा है। यहां के खिलाड़ी प्रत्येक वर्ष बेसिक और माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय मंच तक अपना दबदबा बनाए रखते हैं। हाल ही में नेपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में भी इस विद्यालय की छात्राओं ने द्वितीय स्थान हासिल कर तिरंगा लहराया था।

इस सम्मान समारोह के अवसर पर ब्लॉक व्यायाम शिक्षक सुमित यादव, ऋषिपाल सिंह, अमित गिल, सोहित राठी, सिद्धार्थ गिल, सनी कैरोत, देविंदर सिंह, मोहित शर्मा, गगनदीप कौर, अंजू रानी, प्रियंका सागर, रेखा, कौशल और नरेश कुमार यादव सहित कई लोग उपस्थित रहें।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित



अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा खेल अवस्थापना को सुदृढ़ किए जाने के संबंध में विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि माली खेड़ा स्टेडियम में क्रीड़ा विभाग की ओर से जारी किए गए आईडी कार्ड वाले ही एंट्री कर सकते हैं। बैठक में जनपद अमरोहा के राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को खेल किट एवं खेल उपकरण उपलब्ध कराए जाने, नवनिर्मित बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल एवं आधुनिक जिम में अभ्यास एवं स्वास्थ्य लाभ लेने वाले खिलाड़ियों तथा शौकिया खिलाड़ियों के लिए प्रति कोर्ट आरक्षण शुल्क निर्धारित किए जाने पर चर्चा कर मुख्य विकास अधिकारी ने ड्1500 शुल्क समिति के सहमति से निर्धारित किया। साथ ही क्रीड़ा हॉल एवं जिम में इन्वर्टर, एसी, शीशे आदि आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया। जिला, मंडल एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए साउंड सिस्टम, झंडे एवं पोल तथा खेल मैदान में पानी के छिड़काव हेतु पाइप की व्यवस्था किए जाने पर चर्चा हुई। जनपद में महिला ओपन कबड्डी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन हेतु कबड्डी मैट उपलब्ध कराने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया।

नवनिर्मित स्पोर्ट्स स्टेडियम में क्रिकेट, बैडमिंटन, खो-खो, कबड्डी, लॉन टेनिस एवं स्वीमिंग के लिए प्रशिक्षकों, लाइफगार्ड तथा सहायक कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था किए जाने पर चर्चा की गई। क्रिकेट खेल मैदान के बेहतर रखरखाव हेतु डीजल/पेट्रोल से संचालित घास कटर की व्यवस्था तथा प्रति मैच आरक्षण शुल्क निर्धारित किए जाने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में शासनादेश के क्रम में जनपद में संचालित स्वीमिंग पूल, जिम एवं खेल अकादमियों को नियमानुसार संचालित किए जाने, जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की आय के स्रोत बढ़ाए जाने तथा समिति के प्रमाण-पत्र के नवीनीकरण सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को अभ्यास एवं प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाए तथा खेल मैदानों एवं खेल सुविधाओं का नियमित रूप से उचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नए खिलाड़ियों का अधिक से अधिक पंजीकरण कराने, प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जनपद में खेल गतिविधियों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नवनिर्मित खेल अवस्थापना का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहने दी जाए। संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रस्तावित व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराएं। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकांत त्यागी, युवा कल्याण अधिकारी, डॉ.एम0पी0 शर्मा सचिव जिला ओलंपिक संघ अमरोहा, क्षेत्राधिकारी, सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएम डैशबोर्ड में जनपद की रैंकिंग खराब करने वाले पंचायत सचिवों पर कार्यवाही

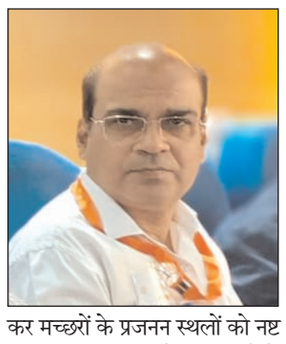




अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा की ग्राम पंचायतों में 15वें वित्त आयोग की अवशेष धनराशि का विस्तृत विवरण प्रकाश में आने के बाद पंचायती राज विभाग की श्याम डैशबोर्ड पर खराब रैंकिंग के कारण संबंधित पंचायत सचिवों के विरुद्ध व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार जनपद में कुल आठ सचिवों द्वारा 58.757 लाख रुपये की धनराशि अवशेष प्रदर्शित हो रही है। अमरोहा, हसनपुर और जोया ब्लॉक की कई ग्राम पंचायतों में यह राशि दर्ज की गई है। इससे पहले के विवरण में 24 सचिवों द्वारा लगभग 72.543 लाख रुपये की अवशेष राशि सामने आई थी। दोनों मामलों में सीएम डैशबोर्ड पर जनपद अमरोहा की छवि धूमिल हुई है। अधिकारियों का स्पष्ट मानना है कि संबंधित सचिवों द्वारा अपने पदीय दायित्वों एवं शासकीय कार्यों के प्रति लापरवाही बरती गई है। सभी संबंधित सचिवों को निर्देश दिया गया है कि वे स्थिति में तत्काल सुधार सुनिश्चित करें। जिन सचिवों के पास दो लाख रुपये से अधिक तथा पांच लाख रुपये से कम अवशेष धनराशि है, उनका अक्टूबर 2026 का वेतन बाधित कर दिया गया है। वहीं पांच लाख रुपये से अधिक अवशेष राशि वाले सचिवों के विरुद्ध अस्थायी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विभिन्न ब्लॉकों जैसे अमरोहा, धनौरा, गजरौला, गंगेश्वरी, हसनपुर और जोया की ग्राम पंचायतों में यह समस्या दर्ज की गई है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत मच्छर जनित रोगों पर विशेष अभियान





अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पंचायती राज विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया गया। मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और जापानी इंसेफेलाइटिस पर लगाम लगाने के लिए फॉगिंग तथा एंटी-लार्वा छिड़काव को सबसे प्रभावी उपाय बनाया गया। इन कार्यों से मच्छर जनित रोगों की संक्रमण श्रृंखला तोड़ने का प्रयास किया गया। विकास खंड जोया की कई ग्राम पंचायतों सहित गजरौला, हसनपुर और गंगेश्वरी की दर्जनों ग्राम सभाओं में एंटी-लार्वा छिड़काव किया गया। जोया की मुबारकपुर नूरी, शेखुपुर माफी आदि सात पंचायतों, हसनपुर की पांच तथा गंगेश्वरी की बारह पंचायतों में फॉगिंग की गई। गजरौला और हसनपुर की कुछ पंचायतों के तालाबों में दवाई डाली गई। साथ ही जोया की 124, गजरौला की 75, गंगेश्वरी की 87 तथा हसनपुर की चार ग्राम पंचायतों में झाड़ियों की कटाई और मुख्य मार्गों की सफाई कर मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट किया गया। विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और रोग नियंत्रण को प्राथमिकता देते हुए व्यापक स्तर पर ये गतिविधियां संपन्न कीं।

आज अमरोहा में निकलेगी सेवा ज्योति यात्रा, नवीन पुलिस लाइन के सामने होगा विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने अवगत कराया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों के निरन्तर सेवाकाल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को विकसित राष्ट्र-2047 के सामूहिक संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से शासन के निदेर्शानुसार दिनांक 17 सितम्बर, 2026 से 17 अक्टूबर, 2026 तक सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है।अभियान के अंतर्गत आज (बुधवार) को जनपद अमरोहा में ह्यसेवा ज्योति यात्रा-विकसित भारत संकल्प सभाह्ण का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत जनपद के विभिन्न कोनों से पैदल, साइकिल एवं बाइक रैलियां नवीन पुलिस लाइन के सामने ज्योति रोड, अमरोहा में एकत्रित होंगी। इसके उपरांत प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष का लाइव उद्बोधन स्क्रीन के माध्यम से प्रसारित किया जाएगा।

कार्यक्रम के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 09:15 बजे कार्यक्रम स्थल पर लोगों का आगमन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम/देशभक्ति गीतों का गायन, 10:00 बजे मंच पर अतिथियों का आगमन एवं वंदे मातरम्, 10:05 बजे स्वागत एवं कार्यक्रम का शुभारंभ, 10:10 बजे राष्ट्रीय अध्यक्ष का संबोधन, 10:15 बजे प्रधानमंत्री का संबोधन, 10:55 बजे पी0एम0 द्वारा विकसित भारत@2047 का सामूहिक संकल्प दिलाया जाएगा। इसके पश्चात 11:00 बजे स्थानीय अतिथियों द्वारा सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित की जाएगी, 11:05 बजे राष्ट्रगान होगा तथा 11:10 बजे सेवा ज्योति यात्राओं का प्रस्थान होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दायित्व सौंपे गए हैं। नामित नोडल अधिकारियों को निर्धारित स्थानों पर सेवा ज्योति यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा के आयोजन की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, मोबाइल टॉयलेट, साफ-सफाई आदि व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ-साथ जनसहभागिता बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को समय से पूर्ण तैयारियां करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

डिडौली क्षेत्र में आबादी के बीच मंडराता तेंदुआ, क्षेत्रीय लोगों में दहशत, डीएफओ बोले लगाया जाएगा पिंजरा, रहें सावधान



डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली थाना क्षेत्र में सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को घनी आबादी के बीच तेंदुए को घूमता हुआ देखा गया है जिससे क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। तेंदुए का आबादी के बीच घूमने का वीडियो कुछ कार सवार लोगों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया और वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद विभागीय अधिकारी उच्चह्न ने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा है कि पिंजरा लगाया जाएगा जब तक सभी लोग सतर्क रहें। बता दें कि डिडौली थाना इलाके के सिरसा मनिहार गांव के पास सोमवार-मंगलवार रात करीब 11 बजे एक तेंदुआ घनी आबादी के बीच घूमता दिखा। कार सवार लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है।पिछले दो महीनों में अमरोहा में तेंदुआ दिखने के दस से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। वन विभाग अब तक एक भी तेंदुए को पकड़ नहीं पाया है।

कई जगह पिंजरे लगाए गए, लेकिन तेंदुआ उनमें कैद नहीं हुआ। डीएफओ राजीव कुमार ने बताया कि सिरसा मनिहार में तेंदुआ दिखने का वीडियो सामने आया है।वन विभाग की टीम मौके पर भेजी गई है और वहां पिंजरा लगाया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने, खेतों पर समूह में जाने और रात में घरों के अंदर सोने की अपील की है।

कार्यालय ग्राम पंचायत जुझेला चक विकासखंड धनोरा जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा0पं0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांकः 06.10.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओ को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जुझेला चक विकासखंड धनोरा जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुसार छठा राज्य वित्त, 16 वां वित्त मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) ओ0डी0एफ0 प्लस, आर0जी0एस0ए0, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि, बहुउद्देशीय पंचायत घर योजना अन्य मद से निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द सीलबन्द निविदाये/कुटेशन आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.10.2026 से 13.10.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बाक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है जोकि दिनांक 13.10.2026 को ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष सम्बन्धित ग्राम पंचायत के क्लस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी जोकि ग्राम पंचायत को समय-समय प्राप्त आर्वटित पर होगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रशासक एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरे पी0डब्लू0डी0 की दरो के अनुरूप पी0डब्लू0डी0 के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नही पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र०सं०	सामग्री का नाम	यूनिट/मात्रा	दर
1	सीमेन्ट	प्रति बैग/टन	
2	बालू रेत	घन मी०	
3	बजरफुट	घन मी०	
4	20 एम०एम० बजरी	घन मी०	
5	40 एम०एम० ईंट रोड़ी	घन मी०	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम०-150	प्रति नग/हजार	
7	ईंट बालवार एम-275	प्रति नग/हजार	
8	इंटरलाक टाईल्स 80 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
9	इंटरलाक टाईल्स 60 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
10	पंचायत भवन के ऑफिस इक्युपमेंट / पंचायत घर मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
11	पुस्तकालय इक्युपमेंट/मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
12	दीवार टाईल्स	वर्ग मीटर	
13	फर्श टाईल्स	वर्ग मीटर	
14	सरिया	प्रति कुन्तल	
15	लोहे की एंगल/पाईप	प्रति कुन्तल	
16	लोहे का जाल	प्रति कुन्तल	
17	सीमेन्ट की चादर/टीन शेड की चादर	वर्ग मीटर/नग	
18	मिट्टी दूरी सहित	घन मी०	
19	लकड़ी के दरवाजे /कर्मशियल/टिम्बर/प्लाई	प्रति नग	
20	सोलर लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
21	स्ट्रीट लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
22	ई-रिक्शा	प्रति नग	
23	सेनेटरी सामग्री	प्रति नग/वर्गमी०	
24	बिजली उपकरण	प्रति नग	
25	लोहे का फेंसिंग तार	प्रति वर्ग मी०	
26	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
27	सी०सी० डेस्क बेंच	प्रति नग	
28	डस्टबीन/सामुदायिक शौचालय मरम्मत	प्रति नग	
29	कूडा गाडी/ठेली एवं सफाई किट	प्रति नग	
30	सोडियम, हाईक्लोराईड, ब्लीचिंग पाउडर व अन्य कीटनाशक व संक्रामक रोधक दवाएं	प्रति किलो/पैकेट	
31	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति ली०	
32	डिस्टैम्पर वाल पुट्टी, पेंट समोसम आदि	प्रति किलो	
33	पी०वी०सी० पाईप एवं जी०आई० पाईप हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
34	हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
35	हैण्डपम्प रिबोर सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
36	प्लाई एवं माईका	प्रति वर्ग फुट	
37	आर०सी०सी० पाईप/ह्यूमपाईप	प्रति रनिंग मीटर	
38	वाटर कूलर आर०ओ० सहित	प्रति नग	
39	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति फुट	
40	इन्सीनेटर	प्रति नग	
41	प्लम्बिंग सामग्री	प्रति नग	
42	ओपन जिम खेल मैदान उपकरण/बारात घर निर्माण मरम्मत	प्रति नग	
43	इलेक्ट्रिशियन कार्य सामग्री	प्रति नग	
44	लोहे का गेट व खिड़की	प्रति नग	

नोट-01-यदि किसी फर्म/सप्लायर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।
02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मो को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत जुझेला चक
विकासखंड धनोरा जनपद अमरोहा

सचिव, जुझेला चक
विकासखंड धनोरा जनपद अमरोहा

कार्यालय ग्राम पंचायत बेरखेड़ा विकासखंड धनोरा जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा0पं0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांकः 06.10.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओ को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बेरखेड़ा विकासखंड धनोरा जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुसार छठा राज्य वित्त, 16 वां वित्त मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) ओ0डी0एफ0 प्लस, आर0जी0एस0ए0, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि, बहुउद्देशीय पंचायत घर योजना अन्य मद से निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द सीलबन्द निविदाये/कुटेशन आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.10.2026 से 13.10.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बाक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है जोकि दिनांक 13.10.2026 को ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष सम्बन्धित ग्राम पंचायत के क्लस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी जोकि ग्राम पंचायत को समय-समय प्राप्त आर्वटित पर होगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रशासक एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरे पी0डब्लू0डी0 की दरो के अनुरूप पी0डब्लू0डी0 के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नही पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र०सं०	सामग्री का नाम	यूनिट/मात्रा	दर
1	सीमेन्ट	प्रति बैग/टन	
2	बालू रेत	घन मी०	
3	बजरफुट	घन मी०	
4	20 एम०एम० बजरी	घन मी०	
5	40 एम०एम० ईंट रोड़ी	घन मी०	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम०-150	प्रति नग/हजार	
7	ईंट बालवार एम-275	प्रति नग/हजार	
8	इंटरलाक टाईल्स 80 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
9	इंटरलाक टाईल्स 60 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
10	पंचायत भवन के ऑफिस इक्युपमेंट / पंचायत घर मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
11	पुस्तकालय इक्युपमेंट/मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
12	दीवार टाईल्स	वर्ग मीटर	
13	फर्श टाईल्स	वर्ग मीटर	
14	सरिया	प्रति कुन्तल	
15	लोहे की एंगल/पाईप	प्रति कुन्तल	
16	लोहे का जाल	प्रति कुन्तल	
17	सीमेन्ट की चादर/टीन शेड की चादर	वर्ग मीटर/नग	
18	मिट्टी दूरी सहित	घन मी०	
19	लकड़ी के दरवाजे /कर्मशियल/टिम्बर/प्लाई	प्रति नग	
20	सोलर लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
21	स्ट्रीट लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
22	ई-रिक्शा	प्रति नग	
23	सेनेटरी सामग्री	प्रति नग/वर्गमी०	
24	बिजली उपकरण	प्रति नग	
25	लोहे का फेंसिंग तार	प्रति वर्ग मी०	
26	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
27	सी०सी० डेस्क बेंच	प्रति नग	
28	डस्टबीन/सामुदायिक शौचालय मरम्मत	प्रति नग	
29	कूडा गाडी/ठेली एवं सफाई किट	प्रति नग	
30	सोडियम, हाईक्लोराईड, ब्लीचिंग पाउडर व अन्य कीटनाशक व संक्रामक रोधक दवाएं	प्रति किलो/पैकेट	
31	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति ली०	
32	डिस्टैम्पर वाल पुट्टी, पेंट समोसम आदि	प्रति किलो	
33	पी०वी०सी० पाईप एवं जी०आई० पाईप हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
34	हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
35	हैण्डपम्प रिबोर सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
36	प्लाई एवं माईका	प्रति वर्ग फुट	
37	आर०सी०सी० पाईप/ह्यूमपाईप	प्रति रनिंग मीटर	
38	वाटर कूलर आर०ओ० सहित	प्रति नग	
39	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति फुट	
40	इन्सीनेटर	प्रति नग	
41	प्लम्बिंग सामग्री	प्रति नग	
42	ओपन जिम खेल मैदान उपकरण/बारात घर निर्माण मरम्मत	प्रति नग	
43	इलेक्ट्रिशियन कार्य सामग्री	प्रति नग	
44	लोहे का गेट व खिड़की	प्रति नग	

नोट-01-यदि किसी फर्म/सप्लायर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।
02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मो को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत बेरखेड़ा
विकासखंड धनोरा जनपद अमरोहा

सचिव, बेरखेड़ा
विकासखंड धनोरा जनपद अमरोहा

कार्यालय ग्राम पंचायत भावली विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा0पं0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांकः 06.10.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओ को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भावली विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुसार छठा राज्य वित्त, 16 वां वित्त मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) ओ0डी0एफ0 प्लस, आर0जी0एस0ए0, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि, बहुउद्देशीय पंचायत घर योजना अन्य मद से निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द सीलबन्द निविदाये/कुटेशन आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.10.2026 से 13.10.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बाक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है जोकि दिनांक 13.10.2026 को ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष सम्बन्धित ग्राम पंचायत के क्लस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी जोकि ग्राम पंचायत को समय-समय प्राप्त आर्वटित पर होगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रशासक एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरे पी0डब्लू0डी0 की दरो के अनुरूप पी0डब्लू0डी0 के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नही पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र०सं०	सामग्री का नाम	यूनिट/मात्रा	दर
1	सीमेन्ट	प्रति बैग/टन	
2	बालू रेत	घन मी०	
3	बजरफुट	घन मी०	
4	20 एम०एम० बजरी	घन मी०	
5	40 एम०एम० ईंट रोड़ी	घन मी०	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम०-150	प्रति नग/हजार	
7	ईंट बालवार एम-275	प्रति नग/हजार	
8	इंटरलाक टाईल्स 80 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
9	इंटरलाक टाईल्स 60 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
10	पंचायत भवन के ऑफिस इक्युपमेंट / पंचायत घर मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
11	पुस्तकालय इक्युपमेंट/मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
12	दीवार टाईल्स	वर्ग मीटर	
13	फर्श टाईल्स	वर्ग मीटर	
14	सरिया	प्रति कुन्तल	
15	लोहे की एंगल/पाईप	प्रति कुन्तल	
16	लोहे का जाल	प्रति कुन्तल	
17	सीमेन्ट की चादर/टीन शेड की चादर	वर्ग मीटर/नग	
18	मिट्टी दूरी सहित	घन मी०	
19	लकड़ी के दरवाजे /कर्मशियल/टिम्बर/प्लाई	प्रति नग	
20	सोलर लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
21	स्ट्रीट लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
22	ई-रिक्शा	प्रति नग	
23	सेनेटरी सामग्री	प्रति नग/वर्गमी०	
24	बिजली उपकरण	प्रति नग	
25	लोहे का फेंसिंग तार	प्रति वर्ग मी०	
26	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
27	सी०सी० डेस्क बेंच	प्रति नग	
28	डस्टबीन/सामुदायिक शौचालय मरम्मत	प्रति नग	
29	कूडा गाडी/ठेली एवं सफाई किट	प्रति नग	
30	सोडियम, हाईक्लोराईड, ब्लीचिंग पाउडर व अन्य कीटनाशक व संक्रामक रोधक दवाएं	प्रति किलो/पैकेट	
31	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति ली०	
32	डिस्टैम्पर वाल पुट्टी, पेंट समोसम आदि	प्रति किलो	
33	पी०वी०सी० पाईप एवं जी०आई० पाईप हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
34	हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
35	हैण्डपम्प रिबोर सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
36	प्लाई एवं माईका	प्रति वर्ग फुट	
37	आर०सी०सी० पाईप/ह्यूमपाईप	प्रति रनिंग मीटर	
38	वाटर कूलर आर०ओ० सहित	प्रति नग	
39	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति फुट	
40	इन्सीनेटर	प्रति नग	
41	प्लम्बिंग सामग्री	प्रति नग	
42	ओपन जिम खेल मैदान उपकरण/बारात घर निर्माण मरम्मत	प्रति नग	
43	इलेक्ट्रिशियन कार्य सामग्री	प्रति नग	
44	लोहे का गेट व खिड़की	प्रति नग	

नोट-01-यदि किसी फर्म/सप्लायर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।
02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मो को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत भावली
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

सचिव, भावली
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

कार्यालय ग्राम पंचायत सिरसा कला विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा0पं0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांकः 06.10.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओ को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिरसा कला विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुसार छठा राज्य वित्त, 16 वां वित्त मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) ओ0डी0एफ0 प्लस, आर0जी0एस0ए0, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि, बहुउद्देशीय पंचायत घर योजना अन्य मद से निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द सीलबन्द निविदाये/कुटेशन आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.10.2026 से 13.10.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बाक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है जोकि दिनांक 13.10.2026 को ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष सम्बन्धित ग्राम पंचायत के क्लस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी जोकि ग्राम पंचायत को समय-समय प्राप्त आर्वटित पर होगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रशासक एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरे पी0डब्लू0डी0 की दरो के अनुरूप पी0डब्लू0डी0 के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नही पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र०सं०	सामग्री का नाम	यूनिट/मात्रा	दर
1	सीमेन्ट	प्रति बैग/टन	
2	बालू रेत	घन मी०	
3	बजरफुट	घन मी०	
4	20 एम०एम० बजरी	घन मी०	
5	40 एम०एम० ईंट रोड़ी	घन मी०	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम०-150	प्रति नग/हजार	
7	ईंट बालवार एम-275	प्रति नग/हजार	
8	इंटरलाक टाईल्स 80 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
9	इंटरलाक टाईल्स 60 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
10	पंचायत भवन के ऑफिस इक्युपमेंट / पंचायत घर मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
11	पुस्तकालय इक्युपमेंट/मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
12	दीवार टाईल्स	वर्ग मीटर	
13	फर्श टाईल्स	वर्ग मीटर	
14	सरिया	प्रति कुन्तल	
15	लोहे की एंगल/पाईप	प्रति कुन्तल	
16	लोहे का जाल	प्रति कुन्तल	
17	सीमेन्ट की चादर/टीन शेड की चादर	वर्ग मीटर/नग	
18	मिट्टी दूरी सहित	घन मी०	
19	लकड़ी के दरवाजे /कर्मशियल/टिम्बर/प्लाई	प्रति नग	
20	सोलर लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
21	स्ट्रीट लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
22	ई-रिक्शा	प्रति नग	
23	सेनेटरी सामग्री	प्रति नग/वर्गमी०	
24	बिजली उपकरण	प्रति नग	
25	लोहे का फेंसिंग तार	प्रति वर्ग मी०	
26	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
27	सी०सी० डेस्क बेंच	प्रति नग	
28	डस्टबीन/सामुदायिक शौचालय मरम्मत	प्रति नग	
29	कूडा गाडी/ठेली एवं सफाई किट	प्रति नग	
30	सोडियम, हाईक्लोराईड, ब्लीचिंग पाउडर व अन्य कीटनाशक व संक्रामक रोधक दवाएं	प्रति किलो/पैकेट	
31	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति ली०	
32	डिस्टैम्पर वाल पुट्टी, पेंट समोसम आदि	प्रति किलो	
33	पी०वी०सी० पाईप एवं जी०आई० पाईप हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
34	हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
35	हैण्डपम्प रिबोर सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
36	प्लाई एवं माईका	प्रति वर्ग फुट	
37	आर०सी०सी० पाईप/ह्यूमपाईप	प्रति रनिंग मीटर	
38	वाटर कूलर आर०ओ० सहित	प्रति नग	
39	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति फुट	
40	इन्सीनेटर	प्रति नग	
41	प्लम्बिंग सामग्री	प्रति नग	
42	ओपन जिम खेल मैदान उपकरण/बारात घर निर्माण मरम्मत	प्रति नग	
43	इलेक्ट्रिशियन कार्य सामग्री	प्रति नग	
44	लोहे का गेट व खिड़की	प्रति नग	

नोट-01-यदि किसी फर्म/सप्लायर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।
02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मो को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत सिरसा कला
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

सचिव, सिरसा कला
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

कार्यालय ग्राम पंचायत काई मुस्तकम विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा0पं0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांकः 06.10.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओ को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत काई मुस्तकम विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुसार छठा राज्य वित्त, 16 वां वित्त मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) ओ0डी0एफ0 प्लस, आर0जी0एस0ए0, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि, बहुउद्देशीय पंचायत घर योजना अन्य मद से निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द सीलबन्द निविदाये/कुटेशन आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.10.2026 से 13.10.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बाक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है जोकि दिनांक 13.10.2026 को ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष सम्बन्धित ग्राम पंचायत के क्लस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी जोकि ग्राम पंचायत को समय-समय प्राप्त आर्वटित पर होगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रशासक एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरे पी0डब्लू0डी0 की दरो के अनुरूप पी0डब्लू0डी0 के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नही पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र०सं०	सामग्री का नाम	यूनिट/मात्रा	दर
1	सीमेन्ट	प्रति बैग/टन	
2	बालू रेत	घन मी०	
3	बजरफुट	घन मी०	
4	20 एम०एम० बजरी	घन मी०	
5	40 एम०एम० ईंट रोड़ी	घन मी०	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम०-150	प्रति नग/हजार	
7	ईंट बालवार एम-275	प्रति नग/हजार	
8	इंटरलाक टाईल्स 80 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
9	इंटरलाक टाईल्स 60 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
10	पंचायत भवन के ऑफिस इक्युपमेंट / पंचायत घर मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
11	पुस्तकालय इक्युपमेंट/मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
12	दीवार टाईल्स	वर्ग मीटर	
13	फर्श टाईल्स	वर्ग मीटर	
14	सरिया	प्रति कुन्तल	
15	लोहे की एंगल/पाईप	प्रति कुन्तल	
16	लोहे का जाल	प्रति कुन्तल	
17	सीमेन्ट की चादर/टीन शेड की चादर	वर्ग मीटर/नग	
18	मिट्टी दूरी सहित	घन मी०	
19	लकड़ी के दरवाजे /कर्मशियल/टिम्बर/प्लाई	प्रति नग	
20	सोलर लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
21	स्ट्रीट लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
22	ई-रिक्शा	प्रति नग	
23	सेनेटरी सामग्री	प्रति नग/वर्गमी०	
24	बिजली उपकरण	प्रति नग	
25	लोहे का फेंसिंग तार	प्रति वर्ग मी०	
26	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
27	सी०सी० डेस्क बेंच	प्रति नग	
28	डस्टबीन/सामुदायिक शौचालय मरम्मत	प्रति नग	
29	कूडा गाडी/ठेली एवं सफाई किट	प्रति नग	
30	सोडियम, हाईक्लोराईड, ब्लीचिंग पाउडर व अन्य कीटनाशक व संक्रामक रोधक दवाएं	प्रति किलो/पैकेट	
31	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति ली०	
32	डिस्टैम्पर वाल पुट्टी, पेंट समोसम आदि	प्रति किलो	
33	पी०वी०सी० पाईप एवं जी०आई० पाईप हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
34	हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
35	हैण्डपम्प रिबोर सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
36	प्लाई एवं माईका	प्रति वर्ग फुट	
37	आर०सी०सी० पाईप/ह्यूमपाईप	प्रति रनिंग मीटर	
38	वाटर कूलर आर०ओ० सहित	प्रति नग	
39	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति फुट	
40	इन्सीनेटर	प्रति नग	
41	प्लम्बिंग सामग्री	प्रति नग	
42	ओपन जिम खेल मैदान उपकरण/बारात घर निर्माण मरम्मत	प्रति नग	
43	इलेक्ट्रिशियन कार्य सामग्री	प्रति नग	
44	लोहे का गेट व खिड़की	प्रति नग	

नोट-01-यदि किसी फर्म/सप्लायर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।
02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मो को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत काई मुस्तकम
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

सचिव, काई मुस्तकम
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

कार्यालय ग्राम पंचायत पोरारा विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा0पं0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांकः 06.10.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओ को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पोरारा विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुसार छठा राज्य वित्त, 16 वां वित्त मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) ओ0डी0एफ0 प्लस, आर0जी0एस0ए0, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि, बहुउद्देशीय पंचायत घर योजना अन्य मद से निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द सीलबन्द निविदाये/कुटेशन आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.10.2026 से 13.10.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बाक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है जोकि दिनांक 13.10.2026 को ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष सम्बन्धित ग्राम पंचायत के क्लस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी जोकि ग्राम पंचायत को समय-समय प्राप्त आर्वटित पर होगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रशासक एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरे पी0डब्लू0डी0 की दरो के अनुरूप पी0डब्लू0डी0 के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नही पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र०सं०	सामग्री का नाम	यूनिट/मात्रा	दर
1	सीमेन्ट	प्रति बैग/टन	
2	बालू रेत	घन मी०	
3	बजरफुट	घन मी०	
4	20 एम०एम० बजरी	घन मी०	
5	40 एम०एम० ईंट रोड़ी	घन मी०	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम०-150	प्रति नग/हजार	
7	ईंट बालवार एम-275	प्रति नग/हजार	
8	इंटरलाक टाईल्स 80 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
9	इंटरलाक टाईल्स 60 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
10	पंचायत भवन के ऑफिस इक्युपमेंट / पंचायत घर मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
11	पुस्तकालय इक्युपमेंट/मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
12	दीवार टाईल्स	वर्ग मीटर	
13	फर्श टाईल्स	वर्ग मीटर	
14	सरिया	प्रति कुन्तल	
15	लोहे की एंगल/पाईप	प्रति कुन्तल	
16	लोहे का जाल	प्रति कुन्तल	
17	सीमेन्ट की चादर/टीन शेड की चादर	वर्ग मीटर/नग	
18	मिट्टी दूरी सहित	घन मी०	
19	लकड़ी के दरवाजे /कर्मशियल/टिम्बर/प्लाई	प्रति नग	
20	सोलर लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
21	स्ट्रीट लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
22	ई-रिक्शा	प्रति नग	
23	सेनेटरी सामग्री	प्रति नग/वर्गमी०	
24	बिजली उपकरण	प्रति नग	
25	लोहे का फेंसिंग तार	प्रति वर्ग मी०	
26	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
27	सी०सी० डेस्क बेंच	प्रति नग	
28	डस्टबीन/सामुदायिक शौचालय मरम्मत	प्रति नग	
29	कूडा गाडी/ठेली एवं सफाई किट	प्रति नग	
30	सोडियम, हाईक्लोराईड, ब्लीचिंग पाउडर व अन्य कीटनाशक व संक्रामक रोधक दवाएं	प्रति किलो/पैकेट	
31	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति ली०	
32	डिस्टैम्पर वाल पुट्टी, पेंट समोसम आदि	प्रति किलो	
33	पी०वी०सी० पाईप एवं जी०आई० पाईप हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
34	हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
35	हैण्डपम्प रिबोर सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
36	प्लाई एवं माईका	प्रति वर्ग फुट	
37	आर०सी०सी० पाईप/ह्यूमपाईप	प्रति रनिंग मीटर	
38	वाटर कूलर आर०ओ० सहित	प्रति नग	
39	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति फुट	
40	इन्सीनेटर	प्रति नग	
41	प्लम्बिंग सामग्री	प्रति नग	
42	ओपन जिम खेल मैदान उपकरण/बारात घर निर्माण मरम्मत	प्रति नग	
43	इलेक्ट्रिशियन कार्य सामग्री	प्रति नग	
44	लोहे का गेट व खिड़की	प्रति नग	

नोट-01-यदि किसी फर्म/सप्लायर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।
02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मो को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत पोरारा
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

सचिव, पोरारा
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

कार्यालय ग्राम पंचायत गंगेश्वरी विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा0पं0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांकः 06.10.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओ को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत गंगेश्वरी विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुसार छठा राज्य वित्त, 16 वां वित्त मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) ओ0डी0एफ0 प्लस, आर0जी0एस0ए0, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि, बहुउद्देशीय पंचायत घर योजना अन्य मद से निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द सीलबन्द निविदाये/कुटेशन आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.10.2026 से 13.10.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बाक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है जोकि दिनांक 13.10.2026 को ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष सम्बन्धित ग्राम पंचायत के क्लस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी जोकि ग्राम पंचायत को समय-समय प्राप्त आर्वटित पर होगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रशासक एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरे पी0डब्लू0डी0 की दरो के अनुरूप पी0डब्लू0डी0 के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नही पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र०सं०	सामग्री का नाम	यूनिट/मात्रा	दर
1	सीमेन्ट	प्रति बैग/टन	
2	बालू रेत	घन मी०	
3	बजरफुट	घन मी०	
4	20 एम०एम० बजरी	घन मी०	
5	40 एम०एम० ईंट रोड़ी	घन मी०	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम०-150	प्रति नग/हजार	
7	ईंट बालवार एम-275	प्रति नग/हजार	
8	इंटरलाक टाईल्स 80 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
9	इंटरलाक टाईल्स 60 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
10	पंचायत भवन के ऑफिस इक्युपमेंट / पंचायत घर मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
11	पुस्तकालय इक्युपमेंट/मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
12	दीवार टाईल्स	वर्ग मीटर	
13	फर्श टाईल्स	वर्ग मीटर	
14	सरिया	प्रति कुन्तल	
15	लोहे की एंगल/पाईप	प्रति कुन्तल	
16	लोहे का जाल	प्रति कुन्तल	
17	सीमेन्ट की चादर/टीन शेड की चादर	वर्ग मीटर/नग	
18	मिट्टी दूरी सहित	घन मी०	
19	लकड़ी के दरवाजे /कर्मशियल/टिम्बर/प्लाई	प्रति नग	
20	सोलर लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
21	स्ट्रीट लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
22	ई-रिक्शा	प्रति नग	
23	सेनेटरी सामग्री	प्रति नग/वर्गमी०	
24	बिजली उपकरण	प्रति नग	
25	लोहे का फेंसिंग तार	प्रति वर्ग मी०	
26	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
27	सी०सी० डेस्क बेंच	प्रति नग	
28	डस्टबीन/सामुदायिक शौचालय मरम्मत	प्रति नग	
29	कूडा गाडी/ठेली एवं सफाई किट	प्रति नग	
30	सोडियम, हाईक्लोराईड, ब्लीचिंग पाउडर व अन्य कीटनाशक व संक्रामक रोधक दवाएं	प्रति किलो/पैकेट	
31	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति ली०	
32	डिस्टैम्पर वाल पुट्टी, पेंट समोसम आदि	प्रति किलो	
33	पी०वी०सी० पाईप एवं जी०आई० पाईप हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
34	हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
35	हैण्डपम्प रिबोर सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
36	प्लाई एवं माईका	प्रति वर्ग फुट	
37	आर०सी०सी० पाईप/ह्यूमपाईप	प्रति रनिंग मीटर	
38	वाटर कूलर आर०ओ० सहित	प्रति नग	
39	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति फुट	
40	इन्सीनेटर	प्रति नग	
41	प्लम्बिंग सामग्री	प्रति नग	
42	ओपन जिम खेल मैदान उपकरण/बारात घर निर्माण मरम्मत	प्रति नग	
43	इलेक्ट्रिशियन कार्य सामग्री	प्रति नग	
44	लोहे का गेट व खिड़की	प्रति नग	

नोट-01-यदि किसी फर्म/सप्लायर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।
02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मो को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत गंगेश्वरी
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

सचिव, गंगेश्वरी
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

कार्यालय ग्राम पंचायत उकावली विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा0पं0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांकः 06.10.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओ को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत उकावली विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुसार छठा राज्य वित्त, 16 वां वित्त मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) ओ0डी0एफ0 प्लस, आर0जी0एस0ए0, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि, बहुउद्देशीय पंचायत घर योजना अन्य मद से निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द सीलबन्द निविदाये/कुटेशन आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.10.2026 से 13.10.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बाक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है जोकि दिनांक 13.10.2026 को ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष सम्बन्धित ग्राम पंचायत के क्लस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी जोकि ग्राम पंचायत को समय-समय प्राप्त आर्वटित पर होगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रशासक एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरे पी0डब्लू0डी0 की दरो के अनुरूप पी0डब्लू0डी0 के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नही पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र०सं०	सामग्री का नाम	यूनिट/मात्रा	दर
1	सीमेन्ट	प्रति बैग/टन	
2	बालू रेत	घन मी०	
3	बजरफुट	घन मी०	
4	20 एम०एम० बजरी	घन मी०	
5	40 एम०एम० ईंट रोड़ी	घन मी०	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम०-150	प्रति नग/हजार	
7	ईंट बालवार एम-275	प्रति नग/हजार	
8	इंटरलाक टाईल्स 80 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
9	इंटरलाक टाईल्स 60 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
10	पंचायत भवन के ऑफिस इक्युपमेंट / पंचायत घर मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
11	पुस्तकालय इक्युपमेंट/मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
12	दीवार टाईल्स	वर्ग मीटर	
13	फर्श टाईल्स	वर्ग मीटर	
14	सरिया	प्रति कुन्तल	
15	लोहे की एंगल/पाईप	प्रति कुन्तल	
16	लोहे का जाल	प्रति कुन्तल	
17	सीमेन्ट की चादर/टीन शेड की चादर	वर्ग मीटर/नग	
18	मिट्टी दूरी सहित	घन मी०	
19	लकड़ी के दरवाजे /कर्मशियल/टिम्बर/प्लाई	प्रति नग	
20	सोलर लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
21	स्ट्रीट लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
22	ई-रिक्शा	प्रति नग	
23	सेनेटरी सामग्री	प्रति नग/वर्गमी०	
24	बिजली उपकरण	प्रति नग	
25	लोहे का फेंसिंग तार	प्रति वर्ग मी०	
26	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
27	सी०सी० डेस्क बेंच	प्रति नग	
28	डस्टबीन/सामुदायिक शौचालय मरम्मत	प्रति नग	
29	कूडा गाडी/ठेली एवं सफाई किट	प्रति नग	
30	सोडियम, हाईक्लोराईड, ब्लीचिंग पाउडर व अन्य कीटनाशक व संक्रामक रोधक दवाएं	प्रति किलो/पैकेट	
31	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति ली०	
32	डिस्टैम्पर वाल पुट्टी, पेंट समोसम आदि	प्रति किलो	
33	पी०वी०सी० पाईप एवं जी०आई० पाईप हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
34	हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
35	हैण्डपम्प रिबोर सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
36	प्लाई एवं माईका	प्रति वर्ग फुट	
37	आर०सी०सी० पाईप/ह्यूमपाईप	प्रति रनिंग मीटर	
38	वाटर कूलर आर०ओ० सहित	प्रति नग	
39	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति फुट	
40	इन्सीनेटर	प्रति नग	
41	प्लम्बिंग सामग्री	प्रति नग	
42	ओपन जिम खेल मैदान उपकरण/बारात घर निर्माण मरम्मत	प्रति नग	
43	इलेक्ट्रिशियन कार्य सामग्री	प्रति नग	
44	लोहे का गेट व खिड़की	प्रति नग	

नोट-01-यदि किसी फर्म/सप्लायर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।
02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मो को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत उकावली
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

सचिव, उकावली
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

संपादकीय

जिम्मेदारी का पर्यटन

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय के संवेदनशील इलाकों में धार्मिक पर्यटन के लिये निकले लोग ऐसा व्यवहार करते हैं मानो यह क्षेत्र उनकी विलासिता की सैरगाह हो। वे अपनी सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता देते हैं और इस इलाके के नैसर्गिक परिवेश से खिलवाड़ करते हैं। मिली सूचनाओं के अनुसार इस साल सितंबर के मध्य तक, चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्री 800 टन से अधिक का कचरा वहां फेंक आए हैं। वहीं यदि हेमकुंट साहिब और वैली ऑफ फ्लॉवर्स का कचरा भी इसमें शामिल कर लें तो मात्रा और अधिक हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं में तीन हजार मीटर से ज्यादा ऊंचाई पर प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और डिस्पोजेबल चीजें पायी गई हैं। निस्संदेह, इससे यही संकेत मिलता है कि यात्री इन धार्मिक स्थलों के आसपास ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे यह उनकी मौज-मस्ती की जगह हो। यह जानते हुए कि इन दुर्गम इलाकों में शहरों की तरह कचरे निपटान की पर्याप्त व्यवस्था और क्षमता नहीं है। सही मायने में यदि तीर्थयात्री किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर निकलें तो तीर्थयात्रा पर आध्यात्मिक छाप पड़नी चाहिए, न कि प्लास्टिक के कचरे की। यही वजह है कि संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल केदारनाथ धाम के हालिया आंकड़ों को चेतावनी की तरह लिया जाना चाहिए। बताते हैं कि अप्रैल से अगस्त के बीच इस तीर्थ स्थल पर तीर्थयात्रियों द्वारा छोड़ा गया 50.30 टन कचरा जमा हुआ। यह कचरा वर्ष 2023 से 2025 के बीच किसी भी पूरे साल में जमा हुए कचरे से कहीं ज्यादा पाया गया है। जो हिमालयी पारिस्थितिकीय संतुलन की दृष्टि से बेहद चिंता का विषय है। लेकिन तमाम तीर्थ यात्रियों के इस अराजक व्यवहार के विपरीत 'कैरी मी बैक' अभियान की पहल एक नई उम्मीद भी जगाती है। उल्लेखनीय है कि कैरी मी बैक मुहिम के तरत लगभग पांच हजार तीर्थयात्री इस इलाके में करीब 18 किलोमीटर के रास्ते में 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लेकर आए हैं। निस्संदेह, यह पहल काबिले तारीफ व प्रेरणादायी है। ऐसी मुहिम तीर्थयात्रियों को पर्यावरण संरक्षण की पहल में भागीदार बनाती है। इसके बावजूद ये प्रयास एक जिम्मेदार पर्यटन नीति की जगह नहीं ले सकते। ऐसे में बड़ा प्रश्न यह है कि पहाड़ों तक इतना कचरा क्यों और कैसे पहुंचता है।

चिंतन-मनन

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं।

जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है।

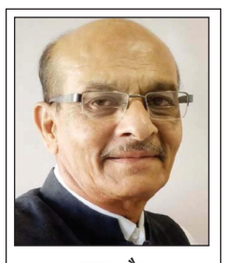
सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है। कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

रूस की लैब में प्लेग के वायरस-सुरक्षा चूक या जैविक युद्ध की तैयारी?



सनत जैन

रूस के साइबेरिया मे इरकुत्स्क स्थित एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट की 28 वर्षीय, प्रयोगशाला कर्मचारी दार्या शिपिलोवा की मौत ने दुनिया का ध्यान एक बार फिर हाई-कंटेनमेंट लैबोरेटरीज और जैव-सुरक्षा की ओर खींचा है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है, काम के दौरान प्लेग बैक्टीरिया से भरी टेस्ट ट्यूब टूट गई थी। उसके बाद महिला गंभीर रूप से बीमार हुई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके संपर्क में आए करीब 200 लोगों को निगरानी में रखे जाने की खबर सामने आई है। यहां सबसे जरूरी बात है, घटना को लेकर विरोधाभासी जानकारी मिल रही है। रूसी स्वास्थ्य निगरानी संस्था रोशपोटरेबनादर का कहना है, महिला की मौत का कारण अभी ह्लअज्ञात निमोनियाह्व के वायरस हैं। जांच में उसके काम से जुड़े किसी सूक्ष्म जीव की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए यह कहना, कि टेस्ट ट्यूब टूटने से ही प्लेग संक्रमण हुआ। उसी से महिला की मौत हुई, फिलहाल यह स्थापित तथ्य नहीं है। फिर भी सवाल गंभीर है। यरसिंया पेस्ट्रीस नामक बैक्टीरिया ही प्लेग का कारण है। यह सामान्यतः छोटे स्तनधारियों और उनके पिस्सुओं में पाया जाता है। प्लेग का न्यूमोनिक रूप संक्रमित व्यक्ति से निकलने वाले श्वसन कणों के जरिए दूसरे व्यक्ति तक पहुंच सकता है। समय पर एंटीबायोटिक उपचार मिलने पर इसका इलाज संभव है। लेकिन इलाज में देरी अत्यंत घातक हो सकती है। जो मौत का कारण बन सकती है।

यही कारण है, दुनिया में ऐसी प्रयोगशालाओं के लिए अत्यंत कठोर सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है। हालिया वैज्ञानिक मैपिंग के अनुसार दुनिया में 3,625 बीएसएल-3 और बीएसएल-4 प्रयोगशालाएं चिन्हित की गई हैं। इनमें 3,515 बीएसएल-3 और 110 बीएसएल-4 की उन्नत सुविधाएं वाली लेब हैं। बीएसएल-4 को अधिकतम स्तर की जैव-सुरक्षा वाली प्रयोगशाला माना जाता है। जहां अत्यधिक गंभीर जोखिम वाले बैक्टीरिया और वायरस के साथ तरह-तरह का प्रयोग किया जाता है। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। किसी लैब में खतरनाक वायरस या बैक्टीरिया पर शोध होना, जैविक हथियार बनाने का प्रमाण नहीं माना जाता है। संक्रामक रोगों की पहचान, वैक्सीन, दवाओं, निदान और महामारी की तैयारी के लिए ऐसे शोध आवश्यक होते हैं. इसी की आड़ में जैविक हथियारों का एक नया खेल शुरू हो गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं उच्च- संक्रमण जोखिम वाले जैविकों के सुरक्षित अध्ययन के लिए जोखिम- आकलन और कड़े जैव-सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर नियम भी बनाता है। दूसरी तरफ इस चिंता को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता है, दुनिया में बढ़ते सैन्य तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका-चीन के बीच की प्रतिस्पर्धा, वैश्विक अविश्वास के दौर में जैविक अनुसंधान की पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय निगरानी पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के 1972 का बायोलॉजिकल वेपन्स कान्वेंशन जैविक एवं रासायनिक हथियारों के विकास, उत्पादन, अधिग्रहण, हस्तांतरण, भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है। कोविड-19 के बाद दुनिया ने यह भी जाना है, किसी प्रयोग शाला की छोटी-सी सुरक्षा चूक से वास्तव में संक्रमण बाहर निकल जाए, तो उसका प्रभाव केवल एक शहर या देश तक सीमित नहीं रहता। हालांकि रूस की मौजूदा घटना को कोविड या वुहान लैब से जोड़ने का अभी कोई प्रमाण सामने नहीं आया है।

इसी तरह 2021 में ताइवान की किसी लैब में कर्मचारियों के संक्रमण को रूस की घटना के साथ जोड़ना भी बिना ठोस प्रमाण के उचित नहीं होगा। फिर भी चिंता इस बात की है, अमेरिका ने इराक के ऊपर रासायनिक हथियारों का जखीरा होने और रासायनिक हथियारों की आशंका पर हमला किया था। युद्ध में इराक को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया था। वर्तमान स्थिति में जैविक हथियारों को लेकर भी इसी तरह की स्थिति बनती हुई दिख रही है] जो चिंता का सबसे बड़ा कारण है। इस पूरे मामले का सबसे बड़ा सबक यही है, खतरनाक रोग-जनकों पर शोध बंद करना समस्या का वास्तविक समाधान नहीं है। जैविक प्रशिक्षण में पारदर्शिता, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र निरीक्षण, कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निगरानी को मजबूत करना ही समस्या का समाधान हो सकता है। दुनिया को यह सुनिश्चित करना होगा, मानव जीवन बचाने के लिए बनाई गई प्रयोगशालाएं स्वयं मानवता के लिए खतरा न बन जाएं। रूस की घटना में जांच का निष्कर्ष चाहे जो निकले, एक सवाल पूरी दुनिया के सामने खड़ा है, क्या 21वीं सदी में परमाणु हथियारों की तरह जैविक अनुसंधान मे अंतर्राष्ट्रीय जवाबदेही और निगरानी को अनिवार्य बनाने का समय आ गया है? दुनिया के शक्तिशाली देशों में जिस तरह की होड देखने को मिल रही है। ज्यादा से ज्यादा पैसा और ज्यादा से ज्यादा प्रभाव की यह लड़ाई अब चरम पर पहुंच गई है। एक बार फिर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध जैसे हालात दिखने लगे हैं। ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के शोध पर विशेष निगरानी की जरूरत है। मानव जीवन की सुरक्षा के लिए सभी देशों को इस मामले में एकजुट होना चाहिए।

बुआ मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को वापस बुलाया या राजनीतिक जाल में फंसा दिया?



नीरज कुमार दुबे

लखनऊ की राजनीति बड़ी अजीब चीज है। यहां सामने कुछ दिखाई देता है मगर असली खेल पर्दे के पीछे चल रहा होता है। बसपा सुप्रीमो मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद के मामले में भी कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। जिस आकाश आनंद को कुछ समय पहले मायावती ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, आज वही आकाश आनंद फिर बसपा में लौट आए हैं और उन्हें दोबारा पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया है। ऊपर से कहानी इतनी-सी है कि भतीजे ने माफी मांगी, बुआ ने माफ कर दिया और परिवार फिर एकजुट हो गया। लेकिन यूपी की राजनीति में कहानी इतनी सीधी होती तो फिर राजनीति किस बात की?

असल सवाल यह है कि मायावती ने आकाश आनंद को वापस क्यों बुलाया और वापस बुलाकर उन्हें राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी ही क्यों दी? क्या यह आकाश पर भरोसा है, या फिर उस राजनीतिक संभावना को रोकने की कोशिश है जो उनके बाहर जाने के बाद पैदा हो रही थी?

याद कीजिए, जब मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किया था तो वह राजनीति में अकेले नहीं रह गए थे। उनके लिए दूसरे दलों के दरवाजे खुलने लगे थे। चंद्रशेखर आजाद ने उनके लिए जगह होने की बात कही। अखिलेश यादव से जब आकाश को समाजवादी पार्टी में लेने की संभावना पर सवाल हुआ तो उन्होंने भी दरवाजा बंद नहीं किया। निषाद पार्टी की तरफ से न्योता आया। यानी जिस भतीजे को मायावती ने बसपा से बाहर कर दिया था, उसे दूसरे राजनीतिक दल अपने यहां जगह देने के लिए तैयार दिख रहे थे। यहीं से मायावती के लिए असली खतरा पैदा होता था।

क्योंकि बात सिर्फ यह नहीं थी कि आकाश आनंद किसी दूसरी पार्टी में चले जाते। असली खतरा यह था कि अगर वह किसी दूसरे दल में जाकर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार कर लेते, युवा दलितों के बीच अपनी पहचान बना लेते और धीरे-धीरे मायावती से अलग अपना एक स्वतंत्र राजनीतिक वजूद खड़ा कर लेते, तो फिर भविष्य में वह सिर्फ ह्लमायावती के भतीजेह्व नहीं रहते। वह अपने आप में एक राजनीतिक ब्रांड बन सकते थे। यही वह चीज है जो शायद मायावती को सबसे ज्यादा खटकती।

देखा जाये तो बसपा पहले ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में लगातार कमजोर हुई है। कभी जिस पार्टी के बिना यूपी की सत्ता का गणित पूरा नहीं होता था, वह आज विधानसभा और लोकसभा चुनावों में एक सीट जीतने की जद्दोजहद करती दिखाई देती है। 2019 में बसपा को उत्तर प्रदेश में करीब 19 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर 10 प्रतिशत से भी नीचे चला गया। इस बीच दलित राजनीति के मैदान में चंद्रशेखर आजाद जैसा नया चेहरा भी उभरा है। यानी बसपा के सामने चुनौती सिर्फ भाजपा या सपा-कांग्रेस गठबंधन की नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक जगह की भी है जिसे कभी बसपा अपना स्थायी इलाका मानती थी।

ऐसे माहौल में अगर मायावती का भतीजा पार्टी से निकलकर किसी दूसरे दल में चला जाता और वहां अपनी अलग पहचान बनाने लगता, तो बसपा के लिए मामला और मुश्किल हो सकता था। क्योंकि मायावती के पास अपना मजबूत कोर वोट बैंक भले अभी भी मौजूद हो, लेकिन चुनावी राजनीति में सिर्फ कोर वोट बैंक होना और चुनाव जीतने की स्थिति में होना दो अलग-अलग बातें हैं। मुमकिन है कि मायावती ने इसी खतरे को भांप लिया हो। उन्हें लगा हो कि अगर आकाश दूसरे दल में चले गए और वहां युवा दलित राजनीति का नया चेहरा बन गए तो बसपा के सामने सिर्फ एक नेता के जाने का संकट नहीं होगा, बल्कि नेतृत्व की अगली पीढ़ी का विकल्प भी पार्टी के बाहर तैयार हो जाएगा। बसपा अगर अभी शून्य पर खड़ी दिखाई दे रही है तो आकाश का किसी दूसरे राजनीतिक मंच पर जाकर मजबूत होना इस शून्य को डबल शून्य में बदल सकता है। इसलिए भतीजे को वापस बुलाना जरूरी समझा गया।

लेकिन यहां कहानी में एक और पेंच है। आकाश को सिर्फ वापस नहीं बुलाया गया, उन्हें राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया। सुनने में यह बड़ा सम्मान है, लेकिन राजनीति में हर सम्मान के साथ जिम्मेदारी भी आती है। आकाश को अब जो जिम्मेदारी मिली है, वह आसान नहीं है। खासकर तब, जब सामने 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव खड़ा है। अब अगर बसपा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करती है तो मायावती की रणनीति सफल कही जाएगी और आकाश आनंद को इसका फायदा भी मिलेगा। लेकिन अगर बसपा का प्रदर्शन फिर कमजोर रहा तो सवाल सिर्फ मायावती से नहीं होगा। सवाल आकाश से भी होगा। आखिर राष्ट्रीय संयोजक किसलिए बनाए गए थे? संगठन को मजबूत करने के लिए या सिर्फ पद की शोभा बढ़ाने के लिए? युवा वोटरों को बसपा से जोड़ने की जिम्मेदारी किसकी थी? चुनावी रणनीति को जमीन पर उतारने का काम कौन कर रहा था?

यानी मायावती ने आकाश को वापस लाकर उन्हें एक ऐसी जिम्मेदारी दे दी है जिसमें सफलता का श्रेय तो मिलेगा ही, लेकिन असफलता का ठीकरा भी सिर पर फूट सकता है। यही वह जगह है जहां सवाल उठता है कि कहीं यह आकाश आनंद की राजनीतिक ब्रांड वैल्यू को मजबूत करने की बजाय धीरे-धीरे खत्म करने की रणनीति तो नहीं? क्योंकि मान लीजिए 2027 में बसपा फिर चुनावी तौर पर कोई खास कमाल नहीं कर पाती। तब आकाश आनंद के पास क्या बचेगा? वह किसी दूसरी पार्टी में जाकर यह भी नहीं कह सकते कि उन्हें बसपा में मौका नहीं मिला था। मौका मिला, राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया, संगठन की जिम्मेदारी दी गई और फिर भी पार्टी चुनाव नहीं जीत सकी। ऐसे में दूसरे दलों के लिए आकाश को अपने साथ लेना उतना आकर्षक नहीं रह जाएगा।

यानी जिस समय वह बसपा से बाहर थे, उस समय दूसरे दल उन्हें अपने यहां लाने की संभावनाएं तलाश रहे थे। लेकिन अब वह बसपा के राष्ट्रीय संयोजक हैं। अगर बसपा फिर कमजोर प्रदर्शन करती है तो वही दूसरे दल शायद यह सोचें कि जिस नेता को अपनी पार्टी संभालने का मौका मिला और वह उसे नहीं उठा पाया, उसे अपने यहां लाकर क्या हासिल होगा? देखा जाये तो राजनीति में इसे बहुत बारीक तरीके से समझना होगा। मायावती ने आकाश को बाहर जाने से तो रोक लिया, लेकिन साथ ही उन्हें बसपा की किस्मत से बांध भी दिया। अब आकाश की राजनीतिक कामयाबी और बसपा की राजनीतिक कामयाबी एक-दूसरे से अलग नहीं रह सकतीं।

इसके अलावा, यहां एक सवाल मायावती से भी पूछा जाना चाहिए। मायावती की राजनीति की सबसे बड़ी पहचान ही परिवारवाद के खिलाफ लड़ाई रही है। कांशीराम ने परिवार की राजनीति नहीं की। उन्होंने मायावती जैसे कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया। मायावती ने भी लंबे समय तक यही संदेश दिया कि बसपा किसी एक परिवार की पार्टी नहीं, बल्कि बहुजन समाज की पार्टी है। लेकिन अब पिछले कुछ समय से बसपा के भीतर परिवार के सदस्यों की भूमिका लगातार चर्चा में है। आकाश आनंद को पहले आगे किया गया। फिर हटाया गया। ईशान आनंद को जिम्मेदारी मिली। फिर आकाश को वापस लाया गया। दीपिका आनंद के नाम की चर्चा भी सामने आई। कभी कहा गया कि परिवार के किसी सदस्य को राजनीतिक पद नहीं दिया जाएगा और फिर घटनाक्रम कुछ ही समय में दूसरी दिशा में जाता दिखाई दिया।

मोदी के 25 वर्ष : निर्णायक नेतृत्व से बदलते भारत तक



गुजरात के मुख्यमंत्री से देश के प्रधानमंत्री तक ढाई दशक की शासन-यात्रा, कैबिनेट के फैसलों में दिखाई देती नीति-निरंतरता और विकसित भारत के संकल्प की कहानी...

भारत की राजनीति में ढाई दशक का समय किसी भी नेतृत्व की कार्यशैली, सोच और प्रशासनिक क्षमता को परखने के लिए पर्याप्त होता है। नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में शासन के 25 वर्ष पूरे होना इसी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने से शुरू हुई यह यात्रा आज प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की दिशा तय करने वाले नेतृत्व तक पहुंच चुकी है। इस लंबे कालखंड को केवल चुनावी सफलताओं के आधार पर नहीं, बल्कि शासन की निरंतरता, नीतिगत फैसलों और उनके दूरगामी प्रभावों के संदर्भ में देखना अधिक महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी की शासन शैली की एक प्रमुख विशेषता निर्णय लेने की स्पष्टता रही है। कैबिनेट की बैठकें इसी प्रशासनिक दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रत्येक कैबिनेट निर्णय अपने आप में केवल एक सरकारी प्रस्ताव की स्वीकृति नहीं होता, बल्कि वह सरकार की प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा का संकेत भी देता है। कैबिनेट ब्रीफिंग के माध्यम से जब सरकार अपने निर्णयों को देश के सामने रखती है तो उसमें अर्थव्यवस्था, आधारभूत ढांचा, ऊर्जा, शिक्षा, रोजगार, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, विज्ञान-तकनीक और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों की समग्र तस्वीर दिखाई देती है।

मोदी के 25 वर्षों की शासन यात्रा को समझने के लिए गुजरात का दौर महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रशासन को विकास की प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाया। आधारभूत संरचना, निवेश, औद्योगिक विकास, बिजली, सड़क और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में बदलाव पर जोर दिया गया। यही अनुभव बाद में केंद्र की नीतियों में भी दिखाई दिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद शासन का दायरा गुजरात से निकलकर पूरे देश तक पहुंचा और निर्णयों का पैमाना भी उसी अनुपात में बढ़ा।

2014 के बाद केंद्र सरकार की कार्यशैली में कैबिनेट के फैसलों को मिशन आधारित दृष्टिकोण से जोड़ने की कोशिश स्पष्ट दिखाई दी। जनधन से वित्तीय समावेशन, स्वच्छ भारत से स्वच्छता, उज्ज्वला से रसोई गैस, आयुष्मान भारत से स्वास्थ्य सुरक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास, जल जीवन मिशन से नल से जल और डिजिटल इंडिया से डिजिटल सेवाओं तक अनेक योजनाओं ने शासन को सीधे नागरिकों के जीवन से जोड़ने का प्रयास किया।

मोदी सरकार की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को समयबद्ध कार्यक्रमों में बदलने की रही है। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, गति शक्ति, सेमीकंडक्टर निर्माण, हरित ऊर्जा और विकसित भारत 2047 जैसे अभियानों में इसी सोच की झलक मिलती है। हाल के वर्षों में कैबिनेट के निर्णयों में भी उत्पादन क्षमता बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने, रेलवे और राजमार्गों का विस्तार करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा को गति देने पर लगातार जोर दिखाई देता है।

भारत के बुनियादी ढांचे में आया परिवर्तन इस यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है। रेलवे के आधुनिकीकरण से लेकर समर्पित माल गलियारों, वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों, नए हवाई अड्डों, एक्सप्रेसवे, बंदरगाहों और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी तक विकास का एक व्यापक नेटवर्क तैयार हुआ है। कैबिनेट द्वारा परियोजनाओं को मंजूरी देने के बाद उनके क्रियान्वयन की निगरानी और समयबद्ध पूरा करने पर भी सरकार का जोर रहा है। इससे शासन में केवल घोषणा के बजाय परिणाम को महत्व देने की प्रवृत्ति मजबूत हुई है।

ऊर्जा क्षेत्र में भी पिछले वर्षों में नीति का फोकस बदलता दिखाई दिया है। भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हुआ है। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, बैटरी भंडारण और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर जैसे कार्यक्रम भारत को भविष्य की ऊर्जा अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने की कोशिश हैं। यह परिवर्तन केवल पर्यावरणीय चिंता तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, रोजगार, निवेश और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ा हुआ है।

डिजिटल शासन ने भी मोदी युग की प्रशासनिक पहचान बनाई है। आधार, मोबाइल और बैंक खाते के त्रिकोण से लेकर डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और सरकारी सेवाओं के ऑनलाइन विस्तार तक तकनीक को शासन का माध्यम बनाया गया। कोविड-19 के कठिन दौर में डिजिटल प्रणालियों ने सरकारी सहायता, टीकाकरण और भुगतान व्यवस्था को बड़े पैमाने पर संचालित करने में भूमिका निभाई। आज भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना मॉडल दुनिया में चर्चा का विषय है।

विदेश नीति के क्षेत्र में भी पिछले 25 वर्षों की यात्रा को अलग दृष्टि से देखा जा सकता है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में निवेश और वैश्विक संपर्क पर जोर देने वाले नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में भारत की कूटनीतिक पहुंच को व्यापक बनाया। भारत ने एक ओर अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत किए, वहीं दूसरी ओर रूस, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ भी सक्रिय संबंध बनाए रखे। जी-20 की अध्यक्षता और भारत की वैश्विक भूमिका ने इस कूटनीतिक विस्तार को नई पहचान दी।

मोदी के शासन के 25 वर्ष केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों और फैसलों का मूल्यांकन निरंतर होना चाहिए। रोजगार, कृषि आय, सामाजिक असमानता, महंगाई, संस्थागत जवाबदेही और नीतियों के जमीनी क्रियान्वयन जैसे सवाल लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा बने रहेंगे। यही लोकतंत्र की शक्ति है कि उपलब्धियों के साथ चुनौतियों पर भी चर्चा होती रहे।

फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि ढाई दशक तक लगातार सत्ता और शासन की जिम्मेदारी संभालने वाले भारतीय नेताओं की सूची बहुत छोटी है। नरेंद्र मोदी का राजनीतिक जीवन इसलिए भी विशिष्ट है कि उन्होंने राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर लंबे समय तक प्रशासन चलाया है। मुख्यमंत्री के रूप में प्राप्त अनुभव ने प्रधानमंत्री के रूप में उनकी शासन शैली को प्रभावित किया और प्रधानमंत्री के रूप में प्राप्त राष्ट्रीय अनुभव ने भारत की विकास यात्रा को एक व्यापक वैश्विक संदर्भ दिया।

आज कैबिनेट ब्रीफिंग में जब किसी नई परियोजना, नीति या सुधार की घोषणा होती है तो उसके पीछे केवल तत्कालीन आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की अर्थव्यवस्था और समाज को प्रभावित करने वाली सोच भी दिखाई देती है। यही कारण है कि कैबिनेट के फैसलों को मोदी के 25 वर्षों के शासन-अनुभव से जोड़कर देखना उपयोगी है। इन फैसलों में निरंतरता, विस्तार और भविष्य की तैयारी–तीनों तत्व दिखाई देते हैं।

ढाई दशक की यह यात्रा अब एक नए चरण में प्रवेश कर रही है। विकसित भारत 2047 का लक्ष्य सामने है। अगले वर्षों में भारत को दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनाने, विनिर्माण और तकनीक में आत्मनिर्भरता बढ़ाने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने, हरित ऊर्जा की ओर बढ़ने और आधारभूत ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने की चुनौती है। इन लक्ष्यों की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि नीतियां कितनी प्रभावी ढंग से जमीन पर उतरती हैं और शासन व्यवस्था कितनी जवाबदेह तथा जनकेंद्रित रहती है। नरेंद्र मोदी के शासन के 25 वर्षों का सबसे बड़ा निष्कर्ष यही है कि उन्होंने भारतीय राजनीति में दीर्घकालिक लक्ष्य, निर्णायक निर्णय और प्रशासनिक निरंतरता को एक साथ जोड़ने की कोशिश की है। गुजरात से शुरू हुई यात्रा दिल्ली तक पहुंची और अब उसका लक्ष्य विकसित भारत है। कैबिनेट के निर्णय इस यात्रा के तत्कालीन पड़ाव हैं, जबकि 2047 का संकल्प उसकी दीर्घकालिक मंजिल।

इसलिए मोदी के 25 वर्ष केवल एक राजनीतिक उपलब्धि का आंकड़ा नहीं, बल्कि भारतीय शासन व्यवस्था में आए बदलावों को देखने की एक महत्वपूर्ण खिड़की हैं।आने वाला समय इन फैसलों और नीतियों के अंतिम परिणामों का मूल्यांकन करेगा, लेकिन यह निर्विवाद है कि पिछले 25 वर्षों में नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति और शासन की कार्यशैली पर अपनी एक अलग छाप छोड़ी है।

घर में यमराज बनकर छिपा बैठा था छह फीट का रसल वाइपर सांप, ग्रामीणों के उड़े होश

सूचना मिलते ही पहुंचे स्नेक सेवर जाबुल, कड़ी मशक्कत के बाद किया सुरक्षित रेस्क्यू

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के विकासखंड पंवासा क्षेत्र के गांव किरारी में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब श्याम सिंह यादव के घर के अंदर करीब छह फीट लंबा रसल वाइपर सांप दिखाई दिया। घर में सांप होने की जानकारी मिलते ही परिवार के लोगों में दहशत फैल गई। कुछ ही देर में यह बात आसपास के ग्रामीणों तक पहुंच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। घर में छिपकर बैठे विशालकाय सांप को देखकर ग्रामीणों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया गया कि रसल वाइपर घर के एक हिस्से में छिपकर बैठा हुआ था। ग्रामीणों ने उसे देखा तो किसी ने भी उसके पास जाने का प्रयास नहीं किया। लोगों ने समझदारी दिखाते हुए तत्काल स्नेक सेवर जाबुल को सूचना दी और सांप को सुरक्षित पकड़ने की गुहार लगाई। सूचना मिलते ही जाबुल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। स्नेक सेवर जाबुल ने काफी सावधानी और सतर्कता के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद उन्होंने करीब छह



फीट लंबे रसल वाइपर को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया। सांप के सुरक्षित रेस्क्यू होने के बाद परिवार और मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। इसके बाद रसल वाइपर को आबादी से दूर सुरक्षित जंगल क्षेत्र में ले जाकर छोड़ दिया गया। जाबुल ने बताया रसल वाइपर भारत में पाए जाने वाले प्रमुख जहरीले सांपों में शामिल है। इसके विष में ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया और ऊतकों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके काटने की स्थिति में पीड़ित की हालत गंभीर हो सकती है क्यों कि सांपों में सबसे बड़े दांत रसल वायपर के ही होते हैं इसके डसने पर तत्काल चिकित्सकीय उपचार की आवश्यकता होती है। यही वजह है कि घर या आसपास जहरीला सांप दिखाई देने पर लोगों को घबराकर उसे पकड़ने या मारने का प्रयास नहीं करना चाहिए। ग्रामीणों ने स्नेक सेवर जाबुल द्वारा किए गए सुरक्षित रेस्क्यू की सराहना की। साथ ही लोगों ने कहा कि समय रहते सूचना मिलने और प्रशिक्षित व्यक्ति के मौके पर पहुंचने से सांप को बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सका। घटना के बाद गांव में काफी देर तक रसल वाइपर के रेस्क्यू की चर्चा बनी रही।

हुसैन की शान में शायरों ने पेश किए कलाम, देर रात तक सजी महफिल



सिरसी/संभल(सब का सपना):- जनपद के कस्बा सिरसी में बज्म-ए-शोअरा-ए-सादात सिरसी (रजि.) के जेरे-एहतिमाम मासिक नशिस्त का आयोजन मोहल्ला शर्की में शरीफुल हसन जैदी के मकान पर किया गया। महफिल में बड़ी संख्या में शोअरा-ए-किराम ने शिरकत की और निर्धारित मिसरे पर अपने कलाम पेश कर श्रोताओं से खूब दाद हासिल की। महफिल का आगाज तिलावते-हदीसे-किसा से मौलाना सैयद जावेद अब्बास ने किया, जबकि निजामत शायर-ए-अहलेबैत नईम जिया सिरसीवी ने की। नशिस्त में कर्बला, अहलेबैत-ए-अतहार, हजरत इमाम हुसैन, हजरत अब्बास, हजरत अली अकबर और हजरत जहरा की अजमत व फजीलत से जुड़े अशआर पेश किए गए। शोअरा ने मिसरे एहसान है हुसैन का हक की अजान पर की जमीन में अपने-अपने कलाम सुनाए। नश्तर सिरसीवी, रजी सिरसीवी, विकार मेहदी सिरसीवी, मौलाना जावेद अब्बास, नईम जिया सिरसीवी, जैगम सिरसीवी एडवोकेट, मेहदी सिरसीवी, शमीम सिरसीवी, डॉ. मुस्तकीम सिरसीवी, दानिश गदीरी समेत कई शायरों ने कलाम पेश किए। नशिस्त के अंत में कन्वीनर दानिश गदीरी तथा बज्म के अराकीन ने सभी शोअरा और मेहमानों का शुक्रिया अदा किया। महफिल देर रात तक जारी रही और श्रोताओं ने शायरों के कलाम पर जमकर दाद-ए-तहसीन दी।

रेलवे लाइन के दूसरे बाईपास का सर्वे रद्द कराने की मांग, किसानों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

हापुड़(सब का सपना):- गाजियाबाद से सीतापुर के बीच प्रस्तावित तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के सर्वे को लेकर किसानों ने आपत्ति जताई है। सोमवार को किसान मजदूर यूनियन के उपाध्यक्ष योगेश शर्मा और अध्यक्ष छोटे खां के नेतृत्व में किसानों ने जिलाधिकारी हापुड़ को ज्ञापन सौंपकर शकरपुर से अठसैनी गांव तक प्रस्तावित दूसरे बाईपास के सर्वे को निरस्त कर पुरानी रेलवे लाइन के आसपास ही नई लाइन का सर्वे कराने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि गाजियाबाद से पिलखुवा नगर पालिका क्षेत्र तक करीब 25 किलोमीटर तक तीसरी और चौथी रेलवे लाइन का सर्वे पुरानी रेलवे लाइन के साथ किया गया है। इसके बाद पिलखुवा से पहला बाईपास किसानों की भूमि से होकर बाबूगढ़ में पुरानी रेलवे लाइन से जोड़ने का प्रस्ताव है। बताया गया कि हापुड़ रेलवे स्टेशन पर यातायात का दबाव कम करने के उद्देश्य से इस बाईपास के साथ नया स्टेशन प्रस्तावित किया गया है। किसानों के अनुसार बाबूगढ़ से करीब नौ



किलोमीटर पुरानी रेलवे लाइन पर चलने के बाद शकरपुर गांव से दूसरा बाईपास प्रस्तावित किया गया है, जो किसानों की उपजाऊ भूमि से होकर अठसैनी गांव में पुरानी रेलवे लाइन से जुड़ता है। शकरपुर से अठसैनी के बीच करीब 10 किलोमीटर का यह बाईपास प्रस्तावित है। किसानों का कहना है कि इस क्षेत्र में रेलवे ट्रैफिक की समस्या नहीं है और न ही इस बाईपास पर किसी नए स्टेशन का प्रस्ताव बताया गया है। साथ ही पुरानी रेलवे लाइन के आसपास सरकारी भूमि उपलब्ध होने का दावा करते हुए किसानों ने उसी क्षेत्र में नई रेलवे लाइन का सर्वे कराने की मांग की। ज्ञापन में किसानों ने कहा कि क्षेत्र में पहले ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर किसानों की भूमि ली जा चुकी है। ऐसे में दोबारा उपजाऊ कृषि भूमि प्रभावित होने से किसानों के सामने परेशानी खड़ी होगी। किसानों ने बाईपास के सर्वे को जनहित और किसान हित में पुनर्विचार कर पुरानी रेलवे लाइन के पास से ही नई लाइन निकालने की मांग की। ज्ञापन में बाईपास के निर्माण के पीछे ठेकेदारों से कमीशन लिए जाने का आरोप भी लगाया गया, हालांकि इस आरोप के संबंध में कोई स्वतंत्र प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया। इससे पहले एक अक्टूबर को ग्राम वैठ में किसान मजदूर यूनियन के अध्यक्ष छोटे खां के नेतृत्व में पंचायत का आयोजन किया गया था। पंचायत में आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय सिन्हा भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गांव में लड़कियों के लिए स्कूल और सिलाई सेंटर की व्यवस्था अपने निजी खर्च से कराने की बात कही। पंचायत के दौरान किसानों में प्रस्तावित रेलवे लाइन के सर्वे को लेकर चर्चा भी हुई। वहीं आगामी 12 अक्टूबर को तालकटोरा स्टेडियम में किसानों की संविधान सम्मान रैली आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई। आयोजकों के अनुसार रैली में बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे।

मूल्यांकन के साथ डेस्कटॉप पब्लिशिंग प्रशिक्षण का समापन, प्रशिक्षुओं में दिखा उत्साह

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में ग्रामीण अंचलों के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित डेस्कटॉप पब्लिशिंग प्रशिक्षण बैच का मंगलवार दोपहर अंतिम मूल्यांकन के बाद समापन हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 18 अगस्त से संचालित किया जा रहा था, जिसमें जनपद संभल के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रशिक्षुओं ने डेस्कटॉप पब्लिशिंग से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को डेस्कटॉप पब्लिशिंग के क्षेत्र में आवश्यक तकनीकी जानकारी एवं व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रशिक्षुओं की दक्षता और प्रशिक्षण से संबंधित ज्ञान का अंतिम मूल्यांकन कराया गया। मूल्यांकन चंदौसी के मूल्यांकनकर्ता राजीव कुमार एवं बुलंदशहर के विषय विशेषज्ञ मूल्यांकनकर्ता होमेश कुमार शर्मा द्वारा किया गया। मूल्यांकन के दौरान प्रशिक्षुओं से



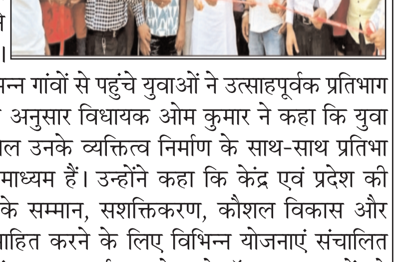
डेस्कटॉप पब्लिशिंग से संबंधित ऑनलाइन परीक्षा कराई गई। इसके साथ ही प्रशिक्षुओं से विषय से जुड़े विभिन्न प्रश्न मौखिक रूप से पूछे गए, ताकि उनके तकनीकी ज्ञान एवं कार्यकुशलता का आकलन किया जा सके। मूल्यांकनकताओं ने प्रशिक्षुओं द्वारा दिए गए उत्तरों एवं उनकी विषयगत समझ के आधार पर उनका आकलन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आरसेटी संस्थान की ओर से प्रशिक्षुओं को आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। संस्थान के भोजनालय में प्रशिक्षुओं के लिए नाश्ता एवं दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई। प्रशिक्षण एवं अंतिम मूल्यांकन पूरा होने के बाद प्रशिक्षुओं में उत्साह का माहौल रहा। समापन के अवसर पर प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव को रोजगार तथा स्वरोजगार के लिए उपयोगी बताया। अंतिम मूल्यांकन के उपरांत प्रशिक्षुओं ने मूल्यांकनकताओं के साथ अपनी यादों को संजोने के लिए सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए आरसेटी संस्थान का आभार व्यक्त किया।

सड़क सुरक्षा को लेकर संभल पुलिस का अभियान, 213 चालान कर वसूला 4.49 लाख का जुमार्ना



संभल (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात पुलिस एवं प्रवर्तन टीमों ने विभिन्न प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गो और महत्वपूर्ण स्थानों पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान ओवरलोड वाहनों, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर चलने वाले वाहनों तथा बिना वैध परमिट एवं आवश्यक दस्तावेजों के संचालित वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए चालान किए गए। वहीं टैम्पो और ई-रिक्शाओं में लगे अवैध पायदानों को भी हटवाया गया। अभियान के दौरान ऑटो एवं ई-रिक्शा के 40 चालान किए गए, जबकि दो वाहनों को सीज किया गया। इंटरसेप्टर द्वारा की गई कार्रवाई समेत कुल 213 चालान किए गए, जिनमें 4 लाख 49 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इसके अलावा ऑटो एवं ई-रिक्शाओं से 29 अवैध पायदान हटवाए गए। सम्भल पुलिस ने आमजन एवं वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं, तेज गति से वाहन न चलाएं तथा वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। यातायात नियमों की अनदेखी से वाहन चालक के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकताओं की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए ओवरलोडिंग, बिना वैध दस्तावेज वाहन संचालन और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध चेकिंग एवं प्रवर्तन की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

विधायक ओम कुमार ने 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का फीता काट कर किया उद्घाटन



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नहटौर क्षेत्र के ग्राम शेखुपुरा लाला में आयोजित 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक ओम कुमार ने फीता काटकर किया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक ओम कुमार ने कहा कि युवा देश की शक्ति हैं और खेल उनके व्यक्तित्व निर्माण के साथ-साथ प्रतिभा को निखारने का बेहतर माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार युवाओं के सम्मान, सशक्तिकरण, कौशल विकास और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप-10 धावकों को ट्रॉफी एवं शील्ड देकर सम्मानित किया। प्रथम स्थान शेखुपुरा लाला निवासी शाहिल, द्वितीय स्थान खजुरी निवासी राजा भाई तथा तृतीय स्थान अट्टे वाले निवासी मानव ने प्राप्त किया। विधायक ने सभी विजेता और प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान भाजपा आंकू मंडल अध्यक्ष राकेश सैनी, हिमांशु पाराशर, ज्येष्ठवीर (जोजो) सिंह, अमन सैनी, फैजल भाई, पुरुषोत्तम, अंकुर, दिव्यांशु दहिया, प्रथम फौजी, ओमपाल डायरेक्टर आदि रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत पथरा मुस्तकम विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा0पं0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांकः 06.10.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओ को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पथरा मुस्तकम विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुसार छठा राज्य वित्त, 16 वां वित्त मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) ओ0डी0एफ0 प्लस, आर0जी0एस0ए0, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि, बहुउद्देशीय पंचायत घर योजना अन्य मद से निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द सीलबन्द निविदाये/कुटेशन आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.10.2026 से 13.10.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बाक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है जोकि दिनांक 13.10.2026 को ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष सम्बन्धित ग्राम पंचायत के क्लस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी जोकि ग्राम पंचायत को समय-समय प्राप्त आर्वटित पर होगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रशासक एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरे पी0डब्लू0डी0 की दरो के अनुरूप पी0डब्लू0डी0 के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नही पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र०सं०	सामग्री का नाम	यूनिट/मात्रा	दर
1	सीमेन्ट	प्रति बैग/टन	
2	बालू रेत	घन मी०	
3	बजरफुट	घन मी०	
4	20 एम०एम० बजरी	घन मी०	
5	40 एम०एम० ईंट रोड़ी	घन मी०	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम०-150	प्रति नग/हजार	
7	ईंट बालवार एम-275	प्रति नग/हजार	
8	इंटरलाक टाईल्स 80 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
9	इंटरलाक टाईल्स 60 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
10	पंचायत भवन के ऑफिस इक्युपमेंट / पंचायत घर मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
11	पुस्तकालय इक्युपमेंट/मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
12	दीवार टाईल्स	वर्ग मीटर	
13	फर्श टाईल्स	वर्ग मीटर	
14	सरिया	प्रति कुन्तल	
15	लोहे की एंगल/पाईप	प्रति कुन्तल	
16	लोहे का जाल	प्रति कुन्तल	
17	सीमेन्ट की चादर/टीन शेड की चादर	वर्ग मीटर/नग	
18	मिट्टी ढूरी सहित	घन मी०	
19	लकड़ी के दरवाजे /कर्मर्शियल/टिम्बर/प्लाई	प्रति नग	
20	सोलर लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
21	स्ट्रीट लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
22	ई-रिक्शा	प्रति नग	
23	सेनेटरी सामग्री	प्रति नग/वर्गमी०	
24	बिजली उपकरण	प्रति नग	
25	लोहे का फेंसिंग तार	प्रति वर्ग मी०	
26	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
27	सी०सी० डेस्क बेंच	प्रति नग	
28	डस्टबीन/सामुदायिक शौचालय मरम्मत	प्रति नग	
29	कूडा गाडी/ठेली एवं सफाई किट	प्रति नग	
30	सोडियम, हाईक्लोराईड, ब्लीचिंग पाउडर व अन्य कीटनाशक व संक्रामक रोधक दवाएं	प्रति किलो/पैकेट	
31	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति ली०	
32	डिस्टैम्पर वाल पुट्टी, पेंट समोसम आदि	प्रति किलो	
33	पी०वी०सी० पाईप एवं जी०आई० पाईप हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
34	हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
35	हैण्डपम्प रिबोर सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
36	प्लाई एवं माईका	प्रति वर्ग फुट	
37	आर०सी०सी० पाईप/ह्यूमपाईप	प्रति रनिंग मीटर	
38	वाटर कूलर आर०ओ० सहित	प्रति नग	
39	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति फुट	
40	इन्सीनेटर	प्रति नग	
41	प्लम्बिंग सामग्री	प्रति नग	
42	ओपन जिम खेल मैदान उपकरण/बारात घर निर्माण मरम्मत	प्रति नग	
43	इलेक्ट्रिशियन कार्य सामग्री	प्रति नग	
44	लोहे का गेट व खिड़की	प्रति नग	

नोट-01- यदि किसी फर्म/सप्लायर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।
02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मो को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत पथरा मुस्तकम
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

सचिव, पथरा मुस्तकम
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

कार्यालय ग्राम पंचायत पथरा ऐतवाली विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा0पं0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांकः 06.10.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओ को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पथरा ऐतवाली विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुसार छठा राज्य वित्त, 16 वां वित्त मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) ओ0डी0एफ0 प्लस, आर0जी0एस0ए0, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि, बहुउद्देशीय पंचायत घर योजना अन्य मद से निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द सीलबन्द निविदाये/कुटेशन आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.10.2026 से 13.10.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बाक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है जोकि दिनांक 13.10.2026 को ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष सम्बन्धित ग्राम पंचायत के क्लस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी जोकि ग्राम पंचायत को समय-समय प्राप्त आर्वटित पर होगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रशासक एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरे पी0डब्लू0डी0 की दरो के अनुरूप पी0डब्लू0डी0 के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नही पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र०सं०	सामग्री का नाम	यूनिट/मात्रा	दर
1	सीमेन्ट	प्रति बैग/टन	
2	बालू रेत	घन मी०	
3	बजरफुट	घन मी०	
4	20 एम०एम० बजरी	घन मी०	
5	40 एम०एम० ईंट रोड़ी	घन मी०	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम०-150	प्रति नग/हजार	
7	ईंट बालवार एम-275	प्रति नग/हजार	
8	इंटरलाक टाईल्स 80 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
9	इंटरलाक टाईल्स 60 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
10	पंचायत भवन के ऑफिस इक्युपमेंट / पंचायत घर मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
11	पुस्तकालय इक्युपमेंट/मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
12	दीवार टाईल्स	वर्ग मीटर	
13	फर्श टाईल्स	वर्ग मीटर	
14	सरिया	प्रति कुन्तल	
15	लोहे की एंगल/पाईप	प्रति कुन्तल	
16	लोहे का जाल	प्रति कुन्तल	
17	सीमेन्ट की चादर/टीन शेड की चादर	वर्ग मीटर/नग	
18	मिट्टी ढूरी सहित	घन मी०	
19	लकड़ी के दरवाजे /कर्मर्शियल/टिम्बर/प्लाई	प्रति नग	
20	सोलर लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
21	स्ट्रीट लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
22	ई-रिक्शा	प्रति नग	
23	सेनेटरी सामग्री	प्रति नग/वर्गमी०	
24	बिजली उपकरण	प्रति नग	
25	लोहे का फेंसिंग तार	प्रति वर्ग मी०	
26	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
27	सी०सी० डेस्क बेंच	प्रति नग	
28	डस्टबीन/सामुदायिक शौचालय मरम्मत	प्रति नग	
29	कूडा गाडी/ठेली एवं सफाई किट	प्रति नग	
30	सोडियम, हाईक्लोराईड, ब्लीचिंग पाउडर व अन्य कीटनाशक व संक्रामक रोधक दवाएं	प्रति किलो/पैकेट	
31	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति ली०	
32	डिस्टैम्पर वाल पुट्टी, पेंट समोसम आदि	प्रति किलो	
33	पी०वी०सी० पाईप एवं जी०आई० पाईप हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
34	हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
35	हैण्डपम्प रिबोर सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
36	प्लाई एवं माईका	प्रति वर्ग फुट	
37	आर०सी०सी० पाईप/ह्यूमपाईप	प्रति रनिंग मीटर	
38	वाटर कूलर आर०ओ० सहित	प्रति नग	
39	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति फुट	
40	इन्सीनेटर	प्रति नग	
41	प्लम्बिंग सामग्री	प्रति नग	
42	ओपन जिम खेल मैदान उपकरण/बारात घर निर्माण मरम्मत	प्रति नग	
43	इलेक्ट्रिशियन कार्य सामग्री	प्रति नग	
44	लोहे का गेट व खिड़की	प्रति नग	

नोट-01- यदि किसी फर्म/सप्लायर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।
02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मो को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत पथरा ऐतवाली
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

सचिव, पथरा ऐतवाली
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

कार्यालय ग्राम पंचायत खनोरा विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांकः मीमो/ग्रा0पं0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांकः 06.10.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो, पंजीकृत विक्रेताओ को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत खनोरा विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अनुसार छठा राज्य वित्त, 16 वां वित्त मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) ओ0डी0एफ0 प्लस, आर0जी0एस0ए0, पंचायत पुरस्कार से प्राप्त धनराशि, बहुउद्देशीय पंचायत घर योजना अन्य मद से निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त धनराशि से निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण कार्य स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द सीलबन्द निविदाये/कुटेशन आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.10.2026 से 13.10.2026 तक कार्यालय दिवस में समय 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय ग्राम पंचायत पर रखे बाक्स में सीलबन्द निविदा/कुटेशन सहित जमा कर सकते है जोकि दिनांक 13.10.2026 को ग्राम पंचायत की कमेटी के समक्ष सम्बन्धित ग्राम पंचायत के क्लस्टर मुख्यालय पर खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध धनराशि के आधार पर ग्राम पंचायत के लिखित आदेश पर की जायेगी जोकि ग्राम पंचायत को समय-समय प्राप्त आर्वटित पर होगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत (प्रशासक एवं सचिव) के लिखित आदेश पर की जायेगी। सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति का भुगतान अधोहस्ताक्षरी की स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 पंजीकरण सम्बन्धित विभाग में होना अनिवार्य है। प्रस्तुत दरे पी0डब्लू0डी0 की दरो के अनुरूप पी0डब्लू0डी0 के रेट ऑफ शेड्यूल के अनुसार होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुरूप नही पाये जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में से नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र०सं०	सामग्री का नाम	यूनिट/मात्रा	दर
1	सीमेन्ट	प्रति बैग/टन	
2	बालू रेत	घन मी०	
3	बजरफुट	घन मी०	
4	20 एम०एम० बजरी	घन मी०	
5	40 एम०एम० ईंट रोड़ी	घन मी०	
6	ईंट प्रथम श्रेणी एम०-150	प्रति नग/हजार	
7	ईंट बालवार एम-275	प्रति नग/हजार	
8	इंटरलाक टाईल्स 80 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
9	इंटरलाक टाईल्स 60 एम०एम०	प्रति नग/हजार	
10	पंचायत भवन के ऑफिस इक्युपमेंट / पंचायत घर मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
11	पुस्तकालय इक्युपमेंट/मरम्मत	प्रति नग/यूनिट	
12	दीवार टाईल्स	वर्ग मीटर	
13	फर्श टाईल्स	वर्ग मीटर	
14	सरिया	प्रति कुन्तल	
15	लोहे की एंगल/पाईप	प्रति कुन्तल	
16	लोहे का जाल	प्रति कुन्तल	
17	सीमेन्ट की चादर/टीन शेड की चादर	वर्ग मीटर/नग	
18	मिट्टी ढूरी सहित	घन मी०	
19	लकड़ी के दरवाजे /कर्मर्शियल/टिम्बर/प्लाई	प्रति नग	
20	सोलर लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
21	स्ट्रीट लाईट नया/मरम्मत उपकरण	प्रति नग	
22	ई-रिक्शा	प्रति नग	
23	सेनेटरी सामग्री	प्रति नग/वर्गमी०	
24	बिजली उपकरण	प्रति नग	
25	लोहे का फेंसिंग तार	प्रति वर्ग मी०	
26	फोगिंग मशीन/स्प्रे मशीन	प्रति नग	
27	सी०सी० डेस्क बेंच	प्रति नग	
28	डस्टबीन/सामुदायिक शौचालय मरम्मत	प्रति नग	
29	कूडा गाडी/ठेली एवं सफाई किट	प्रति नग	
30	सोडियम, हाईक्लोराईड, ब्लीचिंग पाउडर व अन्य कीटनाशक व संक्रामक रोधक दवाएं	प्रति किलो/पैकेट	
31	प्राईमर लोहा लकड़ी	प्रति ली०	
32	डिस्टैम्पर वाल पुट्टी, पेंट समोसम आदि	प्रति किलो	
33	पी०वी०सी० पाईप एवं जी०आई० पाईप हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
34	हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
35	हैण्डपम्प रिबोर सामग्री	प्रति रनिंग मीटर	
36	प्लाई एवं माईका	प्रति वर्ग फुट	
37	आर०सी०सी० पाईप/ह्यूमपाईप	प्रति रनिंग मीटर	
38	वाटर कूलर आर०ओ० सहित	प्रति नग	
39	रनिंग वाटर सप्लाई उपकरण	प्रति फुट	
40	इन्सीनेटर	प्रति नग	
41	प्लम्बिंग सामग्री	प्रति नग	
42	ओपन जिम खेल मैदान उपकरण/बारात घर निर्माण मरम्मत	प्रति नग	
43	इलेक्ट्रिशियन कार्य सामग्री	प्रति नग	
44	लोहे का गेट व खिड़की	प्रति नग	

नोट-01- यदि किसी फर्म/सप्लायर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानको को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।
02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मो को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत खनोरा
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

सचिव, खनोरा
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

अधिकारियों की सुस्ती और सियासी रस्साकशी ने छीना नगीना के बच्चों का भविष्य

एक लाख की आबादी, पर खेलने को एक मैदान तक नहीं, 30 साल से बंद पड़ी हॉकी की धड़कनें



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- खेलोगे कूदोगे तो बनोगे नवाब यह कहावत शायद नगीना तहसील के जिम्मेदार अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के लिए कोई मायने नहीं रखती। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जहां एक ओर बच्चों को मोबाइल स्क्रीन से दूर रखने और नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए दिन-रात निर्देश दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नगीना का प्रशासनिक अमला और सियासी खींचतान मुख्यमंत्री की इन प्राथमिकताओं पर पानी फेरने में लगा है। एक लाख से अधिक आबादी वाले इस ऐतिहासिक नगर नगीना में आज हजारों होनहार बच्चों और युवाओं के पास अपने हुनर को तराशने के लिए एक अदद खेल का मैदान तक नहीं है। नगर पालिका परिषद नगीना और एम.एम. इंटर कॉलेज के बीच स्थित एकमात्र पुराना खेल मैदान पिछले 25-30 वर्षों से बदहाली का शिकार है। कभी हॉकी के गढ़ के रूप में पहचाने जाने वाला नगीना आज खेलों के नक्शे से मिटने की कगार पर है। मैदान की खस्ताहाली के कारण न तो युवा हॉकी खेल पा रहे हैं और न ही सेना, पुलिस या अन्य स्पोर्ट्स प्रतियोगिताओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राएं अभ्यास कर पा रहे हैं।शाइनिंग क्लब हॉकी नगीना वर्ष 1993 से लगातार तहसील संपूर्ण समाधान दिवसों से लेकर बिजनौर और लखनऊ तक अधिकारियों की चौखट पर मिनी स्टेडियम निर्माण के लिए गुहार लगा रहा है। वर्ष 2024-2025 में जब मिनी स्टेडियम की मंजूरी की सुगबुगाहट शुरू हुई, तो लगा कि अब दशकों का सूखा खत्म होगा और खिलाड़ियों के चेहरे खिल उठे। लेकिन अधिकारियों के झूठे आश्वासनों और क्षेत्र के दो असरदार माननीयों की आपसी खींचतान के चक्कर में यह महत्वाकांक्षी योजना फिर से सरकारी फाइलों में कैद होकर रह गई। वर्ष 2024 से 2026 के बीच नगीना ने दो जिलाधिकारी, चार एसडीएम और तीन अधिशासी अधिकारी (ईओ) बदलते देखे। हर बार अधिकारियों की मेज पर मिनी स्टेडियम का नक्शा तो सजा, लेकिन जमीन पर एक ईंट तक नहीं लग सकी। हाल ही में जब नौजवान एस-डीएम प्रिंस कुमार और ईओ सतीश कुमार ने नगीना का कार्यभार संभाला, तो स्थानीय युवाओं में एक बार फिर उम्मीद की किरण जागी। शाइनिंग क्लब हॉकी के खिलाड़ी दोनों युवा अफसरों से मिले और मिनी स्टेडियम निर्माण का मुद्दा उठाया। मगर अफसोस, यह फाइल नगीना, बिजनौर से लखनऊ के चक्कर काटते हुए एक बार फिर ठंडे बस्ते में चली गई। "वर्ष 2026 का आखिरी दौर चल रहा है। साल बीतने में महज दो-तीन महीने बाकी हैं, लेकिन मैदान में मिनी स्टेडियम की एक ईंट भी नहीं रखी जा सकी। मुख्यमंत्री जी के खेल प्रोत्साहन आदेशों को स्थानीय अधिकारी खुलेआम दरकिनार कर रहे हैं।"

शाइनिंग क्लब हॉकी नगीना के खिलाड़ियों की नगीना के सैकड़ों खिलाड़ी, होनहार छात्र-छात्राएं और खेल प्रेमी अब बिजनौर के नवागत और बेहद तेज-तर्रार जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं। शाइनिंग क्लब हॉकी और नगीना की जनता ने नवागत डीएम साहब के संवेदनशील एवं निर्णायक रुख की ओर ध्यान दिलाते हुए पुरजोर मांग की है कि दो माननीयों की आपसी खींचतान को साइडलाइन कर मिनी स्टेडियम निर्माण की अड़चनों को तत्काल दूर किया जाए। फाइलों में दबी पड़ी स्वीकृति को धरातल पर लाकर वर्ष 2027 की शुरूआत से पहले मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। अब देखना यह है कि क्या नवागत डीएम साहब नगीना के युवाओं के इस 30 साल पुराने दर्द को महसूस कर उनके सपनों को नई उड़ान देंगे, या फिर नगीना का यह मिनी स्टेडियम हमेशा की तरह सिर्फ फाइलों और बयानों तक सीमित रह जाएगा?

प्रदेश के विशेष सचिव ने किया कंपोजिट विद्यालय सैदपुरी महीचंद का किया निरीक्षण





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- शासन के विशेष सचिव डॉ राजेश कुमार प्रजापति ने विकास खंड कोतवाली देहात के कंपोजिट विद्यालय सैदपुरी महीचंद का निरीक्षण किया।विद्यालय पहुंचने पर विशेष सचिव डॉ राजेश कुमार प्रजापति का छात्राओं ने तिलक लगाकर स्वागत किया। कोतवाली ब्लॉक की बीडीओ ज्योति चौधरी व ए बी एस ए इंद्रजीत सिंह ने विशेष सचिव डॉ राजेश कुमार प्रजापति को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग मनमोहक व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विशेष सचिव डॉ राजेश कुमार प्रजापति ने विद्यालय के निरीक्षण के दौरान शैक्षिक एवं भौतिक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया तथा विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में बच्चों की सहभागिता का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं तथा मिड-डे मील के संबंध में जानकारी प्राप्त की। विद्यालय में संचालित एलबीडी लैब का भी निरीक्षण किया गया तथा सचिव द्वारा लैब में स्थापित टेलीस्कोप का उद्घाटन किया गया।उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों एवं बच्चों के लिए किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और भविष्य के प्रति आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सचिव ने विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं बच्चों की सक्रिय सहभागिता की प्रशंसा करते हुए शिक्षकों का आह्वान किया कि वे इसी प्रकार पूरी मेहनत,लगन एवं समर्पण के साथ बच्चों की शैक्षिक गतिविधियों को आगे बढ़ाते रहें। विद्यालय की छात्राओं ने विद्यालय में बालिका शौचालय की आवश्यकता तथा अतिरिक्त कक्षा-कक्ष की आवश्यकता से सचिव को अवगत कराया।सचिव ने छात्राओं की बात को गंभीरता से लेते हुए खण्ड विकास अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करते हुए निर्माण कराने के निर्देश दिए। प्रधानाचार्य मुकेश कुमार द्वारा विद्यालय के विकास एवं बच्चों के हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा उन्हें इसी प्रकार समर्पण भाव से कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया।साथ ही विद्यालय के समस्त शिक्षकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी प्रशंसा की गई। निरीक्षण के दौरान विकास खंड कोतवाली के संबंधित अधिकारी, कर्मचारी एवं सीएम फेलो डॉ.मोनिका शर्मा उपस्थित रहीं।उनके द्वारा विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन की जानकारी सचिव महोदय को उपलब्ध कराई गई।सचिव ने संबंधित विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। विद्यालय निरीक्षण के उपरांत सचिव द्वारा ग्राम में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र, ग्राम सचिवालय, वाटर प्लांट सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का भी निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को शासन की योजनाओं का प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।समग्र रूप से निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों,बच्चों की सहभागिता,उपलब्ध संसाधनों तथा शिक्षकों के समर्पित प्रयासों की सराहना की गई। शासन द्वारा प्रदेश के आकांक्षात्मक विकास खंडों में विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं उपलब्ध सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं।

लूट के बाद बैंक डकैती की साजिश रच रहे थे तीन बदमाश, पुलिस ने दबोचे

लूटी गई बाइक, मोबाइल, तमंचा व कारतूस बरामद; इंस्टाग्राम के जरिए बना था संपर्क



बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली शहर पुलिस ने लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, घटना में प्रयुक्त 315 बोर का तमंचा, जिंदा कारतूस और लूटा गया सैमसंग मोबाइल फोन बरामद किया है। पूछताछ में आरोपियों ने लूट के बाद सुल्तानपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में बड़ी लूट की योजना बनाने की बात भी बताई है। पुलिस के अनुसार पांच अक्टूबर को कुत्सुम पुत्र मरहूम हासन निवासी ग्राम सब्दलपुर, थाना हीमपुर दीपा ने कोतवाली शहर में तहरीर देकर बताया था कि तीन अक्टूबर को ग्राम गंज नहर पुलिया के पास अज्ञात बदमाशों ने तमंचा दिखाकर उससे 600 रुपये नकद, सैमसंग मोबाइल फोन तथा सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संख्या यूपी20 एपी 3497 लूट ली थी। विरोध करने पर बदमाशों ने जान से मारने की धमकी भी दी थी। मामले में मुकदमा अपराध संख्या 820/2026 धारा 309(6) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।विवेचना के दौरान पुलिस को दो आरोपियों दीपक उर्फ छोटू पुत्र तेजपाल सिंह निवासी ग्राम सुजातपुर खादर, थाना चांदपुर तथा नितिन कुमार पुत्र सुरेंद्र सिंह निवासी ग्राम महमूदा खादर, थाना हीमपुर दीपा के नाम प्रकाश में आए। वहीं तीसरे आरोपी दीपक उर्फ दीपु पुत्र राजकिरण निवासी ग्राम सुजातपुर खादर, थाना चांदपुर का नाम भी सामने आया। पुलिस ने छह अक्टूबर को घटना का खुलासा करते हुए दीपक उर्फ छोटू और नितिन कुमार को ग्राम निजामतपुरा के जंगल स्थित मध्य गंगा नहर पुलिया के पास चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से लूटी गई सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल तथा दीपक उर्फ छोटू के पास से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। तीसरे आरोपी दीपक उर्फ दीपु को गंज-हल्दौर रोड नहर पुलिया के पास से लूटे गए मोबाइल फोन सहित गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी दीपक उर्फ छोटू ने बताया कि वह इंस्टाग्राम के माध्यम से एक व्यक्ति के संपर्क में आया था। उक्त व्यक्ति ने सुल्तानपुर, उत्तराखंड स्थित पीएनबी शाखा में बड़ी लूट की योजना बनाई थी और वारदात के लिए मोटरसाइकिल की जरूरत थी। इसी योजना के तहत पांच अक्टूबर को दीपक उर्फ छोटू और नितिन लूटी गई सुपर स्प्लेंडर लेकर सुल्तानपुर जाने के लिए निकले थे। रास्ते में दीपक उर्फ दीपु भी उनके साथ शामिल हो गया और तीनों ने बैंक लूट की योजना को अंजाम देने की तैयारी की।पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपियों ने तीन अक्टूबर को गंज नहर पुलिया के पास एक बुजुर्ग व्यक्ति को तमंचा दिखाकर उसकी मोटरसाइकिल, मोबाइल और 600 रुपये लूटे थे। लूटी गई मोटरसाइकिल और तमंचा दीपक उर्फ छोटू व नितिन के पास रह गए, जबकि मोबाइल फोन दीपक उर्फ दीपु अपने साथ ले गया था। पुलिस ने बरामदगी और साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2)/61(2) बीएनएस तथा धारा 3/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है तथा मामले में अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रोहिताश कुमार, कांस्टेबल सुनील कुमार, कांस्टेबल नेपाल कुमार, कांस्टेबल अर्जुन सिंह कुमार, कांस्टेबल दीपक कुमार तथा कांस्टेबल मयंक पौरिया शामिल रहे।

अनसेफ एंबुलेंस पर परिवहन विभाग का शिकंजा, 22 एंबुलेंस के खिलाफ सीज और चालान की कार्रवाई, चालकों में मचा हड़कंप



बिजनौर (सब का सपना):- मरीजों के सुरक्षित परिवहन को लेकर परिवहन विभाग ने मंगलवार को जिले में एंबुलेंस वाहनों के खिलाफ सघन प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के दौरान मानकों पर खरे न उतरने वाले तथा दस्तावेजों में कमी पाए जाने वाले 22 एंबुलेंस वाहनों के विरुद्ध सीज और चालान की कार्रवाई की गई। कार्रवाई से एंबुलेंस चालकों में हड़कंप मच गया। एआरटीओ महेश शर्मा ने अभियान के लिए दो टीमों का गठन किया। पहली टीम का नेतृत्व स्वयं एआरटीओ महेश शर्मा ने किया, जबकि दूसरी टीम की कमान पीटीओ मुन्नालाल को सौंपी गई। दोनों टीमों ने बिजनौर, धामपुर, नगीना रोड, नजीबाबाद और नूरपुर क्षेत्रों में एंबुलेंस वाहनों की सघन चेकिंग की। भियान के दौरान एंबुलेंस के फिटनेस प्रमाण पत्र की वैधता, इंश्योरेंस समेत अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। परिवहन विभाग की टीमों ने कार्रवाई के दौरान विशेष सावधानी बरती और उन्हीं एंबुलेंस वाहनों को रोका गया, जिनमें उस समय कोई मरीज सवार नहीं था। एआरटीओ महेश शर्मा ने एंबुलेंस चालकों को जागरूक करते हुए कहा कि एंबुलेंस में पहले से ही अस्वस्थ मरीजों का परिवहन किया जाता है। ऐसे में यदि वाहन की खराब स्थिति या तकनीकी कमी के कारण रास्ते में कोई समस्या उत्पन्न होती है तो मरीज की जान पर गंभीर संकट आ सकता है। उन्होंने चालकों से एंबुलेंस को पूरी तरह फिट और सभी जरूरी दस्तावेज पूरे रखने की अपील की।कार्रवाई के दौरान कुछ वाहन चालकों ने कार्रवाई से बचने के लिए सिफारिश भी लगवाई, लेकिन परिवहन विभाग की टीमों ने नियमों के अनुसार कार्रवाई जारी रखी। विभाग ने स्पष्ट किया कि मरीजों के सुरक्षित परिवहन के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। एआरटीओ महेश शर्मा ने बताया कि अनसेफ एंबुलेंस के संचालन पर रोक लगाने और मरीजों के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

विकसित भारत के संकल्प के साथ गरजे मूर्ति देवी के छात्र, नुक्कड़ नाटक से दिया जागरूकता का संदेश



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को मूर्ति देवी सरस्वती इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने तहसील परिसर एवं मुनसफी कोर्ट तिराहे पर "विकसित भारत - हमारा संकल्प" विषय पर दमदार नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। प्रधानाचार्य अनुपम माहेश्वरी के मार्गदर्शन तथा शिक्षक आशु सैनी व दीपांशु कुमार के निर्देशन में कलाकार छात्रों–जिया खान, देव कुमार, अक्षय, अंश अग्रवाल, केशव कौशिक, प्रबल, सूरज व ललित ने अपने जीवंत अभिनय से महिला सशक्तिकरण, नमामि गंगे, मुफ्त राशन, किसान कल्याण और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का प्रभावशाली चित्रण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मोनिका शर्मा, विधानसभा सह-संयोजक ललित पाल एवं विशिष्ट अतिथि रुस्तम यादव उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि मोनिका शर्मा ने युवाओं के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि जब युवा जन-जागरूकता का बीड़ा उठाते हैं, तभी विकसित भारत का सपना साकार होता है। इस दौरान भारी संख्या में अधिवक्ता, स्थानीय नागरिक व राहगीर मौजूद रहे।

होली के रंग से गुड़ लाल करने का आरोप, कादराबाद में राजस्व टीम की छापेमारी

मुजफ्फरनगर के बताए जा रहे कोल्हू संचालकों पर अवैध रूप से चीनी भंडारण का भी आरोप, नमूने जांच के लिए भेजे





अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना अफजलगढ़ क्षेत्र के कादराबाद में कथित रूप से दूषित गुड़ तैयार किए जाने की शिकायत के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना पर राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कई कोल्हुओं पर जांच-पड़ताल की। जांच के दौरान गुड़ को लाल रंग देने के लिए होली में इस्तेमाल होने वाले रंग का प्रयोग किए जाने का आरोप सामने आया। टीम ने गुड़ और संदिग्ध सामग्री के नमूने लेकर जांच के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी। बताया गया कि कादराबाद क्षेत्र में कई कोल्हुओं पर गुड़ तैयार किया जा रहा है। आरोप है कि कुछ कोल्हू संचालक गन्ने के रस के साथ चीनी का इस्तेमाल कर गुड़ तैयार कर रहे हैं। इसके अलावा कोल्हुओं और गोदामों में बड़ी मात्रा में चीनी की बोरियां रखे होने की बात भी सामने आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में दर्जनों कोल्हू संचालित हो रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कोल्हुओं पर तैयार किए जा रहे गुड़ तथा वहां रखी सामग्री की जांच की। इस दौरान टीम को कथित तौर पर होली में इस्तेमाल होने वाला रंग भी मिला। इसके बाद अधिकारियों ने संबंधित स्थानों पर गुड़ तैयार करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने के निर्देश दिए।कार्रवाई के दौरान कुछ कोल्हू संचालकों द्वारा मौके पर मौजूद नायब तहसीलदार का विरोध किए जाने की बात भी सामने आई। हालांकि राजस्व टीम ने जांच जारी रखते हुए गुड़ और संदिग्ध सामग्री के आवश्यक नमूने एकत्र किए।प्रशासन द्वारा लिए गए नमूने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। अब जांच रिपोर्ट से स्पष्ट होगा कि गुड़ में किसी प्रतिबंधित अथवा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रंग या अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया गया था या नहीं।अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। यदि जांच में खाद्य पदार्थ में प्रतिबंधित रंग अथवा स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक सामग्री के इस्तेमाल की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, कार्रवाई के बाद क्षेत्र में गुड़ की गुणवत्ता और खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। लोगों का कहना है कि गुड़ रोजमर्रा के खान-पान में इस्तेमाल होने वाला खाद्य पदार्थ है, इसलिए इसके निर्माण में खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

आजाद समाज पार्टी के भावी प्रत्याशी खुर्शीद मंसूरी की जनसभा में उमड़ी भारी भीड़, क्षेत्र के विकास का दिया भरोसा



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कामराजपुर में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के भावी प्रत्याशी एवं महानगर अध्यक्ष खुर्शीद मंसूरी के समर्थन में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। इसमें मंडावली, भागूवाला, किरतपुर और साहानपुर समेत आसपास के दर्जनों गांवों से भारी संख्या में लोग पहुंचे। जनसभा को संबोधित करते हुए खुर्शीद मंसूरी ने जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नजीबाबाद की सेवा के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे। उन्होंने अपने सहारनपुर कार्यकाल में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए वादा किया कि यदि जनता उन्हें मौका देती है, तो क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और रोजगार को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने नजीबाबाद में कॉलेज और स्टेडियम बनवाने का भी आश्वासन दिया। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष अंगद शर्मा ने खुर्शीद मंसूरी के जनहित और विकास कार्यों की सराहना करते हुए अपना समर्थन जताया। वहीं, अब्दुल्ला गुलजार ने कहा कि जनता अब नफरत की राजनीति से ऊपर उठकर विकास और अपने अधिकारों के पक्ष में फैसला लेगी। वासिफ इरफान द्वारा आयोजित और उबैद नजीबाबादी द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में कफील अंसारी, रफअत अंसारी, सलीम अंसारी, पूर्व प्रधान वासिफ, प्रधान कुलदीप, तस्लीम अंसारी, धर्मपाल आसिफ आजाद सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरिद्वार रोड (शकूर नगर) पर सड़क किनारे खड़े बेतरतीब वाहनों से रोज लग रहा भीषण जाम, राहगीर परेशान



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद-हरिद्वार रोड स्थित शकूर नगर (मोटा आम) पर अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था के कारण रोजाना भीषण जाम की स्थिति बन रही है। सोमवार दोपहर करीब 12:54 बजे पूजा अस्पताल के आसपास सड़क के दोनों ओर बेतरतीब ढंग से खड़े दोपहिया और चार पहिया वाहनों के कारण आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। सड़क के दोनों किनारों पर वाहनों के अवैध और गैर-जिम्मेदाराना पड़ाव से मुख्य मार्ग बेहद संकरा हो गया है। इसके चलते ई-रिक्शा, दोपहिया वाहन और अन्य चार पहिया गाड़ियाँ घंटों फंसी रहती हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अस्पताल आने वाले मरीजों के परिजन व अन्य लोग अपने वाहन सड़क पर ही पार्क कर देते हैं, जिससे प्रतिदिन यह समस्या उत्पन्न हो रही है। इस निरंतर जाम के कारण सबसे ज्यादा परेशानी पैदल चलने वाले स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। राहगीरों का कहना है कि जाम के चलते आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस के समय पर अस्पताल पहुँचने या गुजरने में भारी देरी हो सकती है, जिससे किसी भी दिन बड़ी दुर्घटना या अनहोनी का अंदेशा बना रहता है। क्षेत्रीय निवासियों और राहगीरों ने स्थानीय पुलिस व तहसील प्रशासन से मांग की है कि पूजा अस्पताल और मोटा आम चौराहे के पास नो-पार्किंग क्षेत्र घोषित कर नियमित चेकिंग अभियान चलाया जाए। सड़क पर बेतरतीब वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई कर इस मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, ताकि आम जनता को रोज-रोज के इस ट्रैफिक जाम से स्थायी निजात मिल सके।

सेवा सदभावना मेले में शिक्षा विभाग का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र, निपुण भारत मिशन और डीबीटी की दी जानकारी





अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड अमौली परिसर में आयोजित सेवा सद्भावना मेले में शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। स्टॉल पर शिक्षा विभाग की प्रमुख सरकारी योजनाओं निपुण भारत मिशन, डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) पर आधारित शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) एवं आकर्षक चार्ट प्रदर्शित किए गए।शिक्षिकाओं ने टीएलएम के माध्यम से बताया कि किस प्रकार निपुण भारत मिशन के तहत बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को सुदृढ़ किया जा रहा है तथा डीबीटी के माध्यम से विद्यार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उनके खातों में पहुंच रहा है।प्रदर्शनी में प्राथमिक विद्यालय रायपुर की प्रधानाध्यापिका अम्बे तथा कंपोजिट विद्यालय पनेरूवा की सहायक अध्यापिका इला सिंह ने प्रतिभाग किया। इस दौरान जिला विकास अधिकारी फतेहपुर साधना दीक्षित ने ब्लॉक के पंडालों का निरीक्षण किया। वहीं खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे एवं खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी ने शिक्षा विभाग के स्टॉल का अवलोकन कर शिक्षिकाओं के प्रयासों की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि इस प्र-कार के मेलों से सरकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचती है। मेले में आए अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने भी स्टॉल में गहरी रुचि दिखाई।

संकल्प अभियान के तहत तीन दिवसीय श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर शुरू पहले दिन 262 श्रमिकों की हुई जांच





सम्भल (सब का सपना):- श्रमिकों की सेहत की देखभाल और समय पर इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक विशेष पहल की शुरूआत की गई है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निदेर्शानुसार सेवा संकल्प अभियान के तहत जनपद सम्भल में श्रम विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से तीन दिवसीय श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सहायक श्रम आयुक्त राम लखन पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों कारखानों और मिलों में काम करने वाले श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए 6 से 8 अक्टूबर तक इन विशेष शिविरों की व्यवस्था की गई है। शिविरों में केवल सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण ही नहीं किया जा रहा बल्कि श्रमिकों की ब्लड प्रेशर और शुगर की भी मुफ़्त जांच की जा रही है। इसके साथ ही जिन श्रमिकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पाई जा रही हैं उन्हें मौके पर ही चिकित्सक की सलाह से आवश्यक दवाइयां भी वितरित की जा रही हैं। अभियान के पहले दिन यानी 6 अक्टूबर को मैसर्स मौहम्मदी कोल्ड स्टोर असमोली रोड सम्भल मैसर्स अहमद रजा कादरी कोल्ड स्टोर हसनपुर रोड सम्भल और मैसर्स हिन्दुस्तान मिंट मुरादाबाद रोड चन्दौसी में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। इन तीनों स्थानों पर मिलाकर कुल 262 श्रमिकों की सेहत की विस्तृत जांच की गई और जरूरत के हिसाब से दवाएं दी गईं। इसी क्रम में शिविर के दूसरे दिन यानी 7 अक्टूबर को मैसर्स शंकर कोल्ड स्टोर मुरादाबाद रोड सम्भल मैसर्स नूरी कोल्ड स्टोर बहजोई रोड सम्भल मैसर्स अरोड़ा एरोमे-टक प्राइवेट लिमिटेड मुरादाबाद रोड सम्भल और मैसर्स डीएसएम शुगर मिल रजपुरा सम्भल में शि-विरों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतिम दिन 8 अक्टूबर को मैसर्स सम्भल कोल्ड स्टोर मैसर्स जाहिद कोल्ड स्टोर चन्दौसी रोड मैसर्स डीएसएम शुगर मिल रजपुरा तथा सरायतरीन स्थित फैज इंटर कॉलेज में शिविर आयोजित होंगे। फैज इंटर कॉलेज का शिविर हेण्डीक्राफ्ट वैलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से विशेष रूप से हस्तशिल्प कारीगरों और श्रमिकों के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस पूरी कवायद का मुख्य उद्देश्य कामगारों को उनके कार्यस्थल के निकट ही बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनकी बीमारियों का समय से पता लगाकर इलाज सुनिश्चित करना है।

एएसपी ने किया रजपुरा थाने का अर्धवार्षिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के दिए निर्देश





रजपुरा/संभल(सब का सपना):- मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल मनोज कुमार रावत ने थाना रजपुरा का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अभिलेखों के रख-रखाव, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस कर्मियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने थाना कार्यालय पहुंचकर विभिन्न महत्वपूर्ण अभिलेखों एवं रजिस्टरों का अवलोकन किया। उन्होंने सभी अभिलेखों को नियमानुसार अद्यावधिक एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित अभिलेखीय कार्यों को समयबद्ध तर-ीके से पूरा करने तथा थाने पर आने वाली शिकायतों की प्रभावी जनसुनवाई कर उनका गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। इसके बाद उन्होंने हवालात, बैरक, मिशन शक्ति केंद्र, सीसीटीवी कैमरे, शस्त्रागार, थाना परिसर एवं भोजनालय आदि का निरीक्षण किया। हवालात और शस्त्रागार की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता और निगरानी व्यवस्था को भी परखा गया तथा कैमरों को हर समय क्रियाशील रखने के लिए निर्देशित किया। मिशन शक्ति केंद्र के निरीक्षण के दौरान महिला संबंधी शिकायतों को प्राथमिकता और संवेदनशीलता के साथ सुनने तथा उनका नियमानुसार त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। एएसपी ने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि थाने पर आने वाले फरियादियों के साथ शालीन एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाए और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर समयबद्ध कार्रवाई की जाए। एएसपी दक्षिणी ने थाना परिसर एवं बैरक में साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने तथा पुलिस कर्मियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त एवं सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। अर्धवार्षिक निरीक्षण के अंत में एएसपी मनोज कुमार रावत ने थाना स्तर पर कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने, अपराध नियंत्रण को मजबूत करने और पुलिसिंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

असोथर में चेकिंग व्यवस्था पर सवाल, टास्क फोर्स की गैरमौजूदगी में चेक प्वाइंट से गुजरे ओवरलोड वाहन

सुबह आठ बजे से ड्यूटी, दस बजे तक नहीं पहुंचे अधिकारी; करीब आधा सैकड़ा वाहनों के निकलने का दावा





असोथर/फतेहपुर (सब का सपना):- अवैध खनन, अवैध प-रवहन और ओवरलोड वाहनों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे 24 घंटे के चेकिंग अभियान के बीच असोथर में व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। थाना असोथर से करीब 100 मीटर पहले बनाए गए अस्थायी चेक प्वाइंट पर मंगलवार को सुबह निर्धारित समय पर टास्क फोर्स के अधिकारी के नहीं पहुंचने का मामला सामने आया। इस दौरान स्थानीय स्तर पर करीब आधा सैकड़ा ओवरलोड वाहनों के चेक प्वाइंट से होकर गुजरने का दावा किया गया है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर खनिज अनुभाग के पत्रांक 1624/खनिज-प्रवर्तन (2026-27) के तहत एक से 31 अक्तूबर तक 24 घंटे सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। आदेश में चेक प्वाइंट पर अधिकारियों के साथ पुलिस बल की तैनाती और प्रभावी निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। मंगलवार को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक चेक प्वाइंट पर टास्क फोर्स में ग्राम पंचायत अधिका-री गुलाब सिंह तेलियानी ब्लॉक की ड्यूटी लगाई गई थी। आरोप है कि सुबह निर्धारित समय तक उनके मौके पर नहीं पहुंचने के कारण चेकिंग व्यवस्था प्रभावित रही और कई ओवरलोड वाहन निकल गए। सुबह करीब दस बजे जब गुलाब सिंह से इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने तबीयत खराब होने और बारिश के कारण देर होने की बात कही।

वहीं, सवाल यह भी उठ रहा है कि संबंधित अधिकारी के समय पर नहीं पहुंचने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई। आदेश में संबंधित थानाध्यक्ष को भी अपने स्तर से चार पुलिसकर्मियों की तैनाती कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्थानीय स्तर पर लाइव लोकेशन कैमरे से बनाए गए वीडियो में भी ओवरलोड वाहनों के गुजरने का दावा किया गया है। अब मामला सामने आने के बाद निगरानी व्यवस्था और ड्यूटी में अनुपस्थिति को लेकर जिला प्रशासन की ओर से क्या कार्रवाई की जाती है, इस पर नजर है।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के रिस्क से पीछे हटी सपा, अखिलेश यादव भी बोले- तीन नहीं 403 पर नजर



लखनऊ। राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए प्रत्याशी उतारने की तैयारी में जुटी समाजवादी पार्टी ने आखिरी समय में कदम पीछे खींच लिए। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 30 सितंबर को विधायकों का गणित पूरा होने पर प्रत्याशी उतारने की बात कही थी और दूसरे खेमे के विधायकों के संपर्क में होने के दावे के साथ अपने पुराने बागी विधायकों को भी वापसी का ऑफर दिया था, फिर भी पार्टी का गणित नहीं बैठा। पिछले चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले सपा विधायक विनोद चतुर्वेदी ने सोमवार रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। माना जा रहा है कि इसके बाद ही प्रत्याशी न उतारने का निर्णय हुआ और सपा प्रमुख ने मंगलवार सुबह 9.39 बजे एक्स पर लिखा, ह्यअब हमारी निगाह तीन पर नहीं, 403 पर है। पिछले चुनाव में क्रॉस वोटिंग कर चुके हैं सपा के विधायक सपा के विधायकों की संख्या के हिसाब से दो प्रत्याशी जिताने के बाद उसे तीसरी सीट के लिए दूसरे खेमे के विधायकों के समर्थन की जरूरत पड़ती। साथ में अपने विधायकों को एकजुट रखने की भी चुनौती थी। सपा के कुछ विधायक पिछले राज्यसभा चुनावों में क्रॉस वोटिंग कर चुके हैं। ऐसे में तीसरे प्रत्याशी के लिए अतिरिक्त वोट जुटाने की कोशिश भाजपा की ओर से भी सेंधमारी का अवसर खोल सकती थी। वहीं, नामांकन के अंतिम दिन से पहले सोमवार रात पिछले चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले विनोद चतुर्वेदी ने असंबद्ध विधायक राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से इसकी फोटो भी एक्स पर पोस्ट कर शिष्टाचार भेंट बताया गया। सूत्रों का कहना है कि इसके बाद ही सपा ने तीसरा प्रत्याशी न उतारने का निर्णय लिया और सपा प्रमुख ने अपनी पोस्ट से विधान सभा की 403 सीटों की तैयारी में जुटे रहने का संदेश दिया। वहीं संभावित क्रॉस वोटिंग के राजनीतिक जोखिम को भी टाल दिया है।

चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती पर किसानों ने किया हवन, समस्याओं को लेकर उठाई आवाज



बहजोई/संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन टिकैत के संस्थापक स्वर्गीय चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती मंगलवार को जनपद संभल के भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों एवं किसानों द्वारा बहजोई रेलवे स्टेशन पर श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस दौरान किसानों ने हवन किया और बाबा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद किसानों ने उनके जीवन एवं किसान हित में किए गए संघर्षों पर प्रकाश डाला। जिला अध्यक्ष मनपाल सिंह यादव ने कहा कि बाबा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत ने किसानों को सम्मान के साथ जीना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना सिखाया। आज किसान अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं और मांगें मजबूती से रख पा रहे हैं, यह बाबा टिकैत के संघर्षों की देन है। उन्होंने कहा कि बाबा ने किसानों के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया और उन्हें एकजुट होकर अपने हक की लड़ाई लड़ने की प्रेरणा दी। इस दौरान जिला अध्यक्ष मनपाल सिंह यादव ने क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसान परेशान हैं। किसानों की जमीनों के सर्किल रेट अभी तक नहीं बढ़ाए गए हैं। फसल बर्बाद होने के बाद मुआवजे को लेकर भी किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र से शिकायतें मिल रही हैं कि मुआवजा दिलाने के नाम पर किसानों से पैसे मांगे जा रहे हैं। इसके अलावा मंडी में भी किसानों के साथ खुलेआम लूट की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से किसानों की समस्याओं का संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम में चंद्रपाल सिंह, राजपाल सिंह, महावीर सिंह, उदयवीर सिंह, मुकेश, देशराज सिंह यादव, महेश यादव, नेत्रपाल सिंह, कोमल सिंह, अमर सिंह, चौधरी महीदेव सिंह, संजीव यादव, देवन यादव, ओमप्रकाश यादव, शुभम चौधरी, गायत्री देवी, राहत झा, मुनेंद्र सिंह, श्यौराज सिंह, मोहम्मद जेद, राजकुमार सिंह, तिलक सिंह, नीरज यादव, जसवीर यादव सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

पेराई सत्र 2025-26: राज्य गन्ना प्रतियोगिता का परिणाम घोषित, मुजफ्फरनगर से हरदोई तक छाया किसानों का जलवा



लखनऊ। गन्ना विकास विभाग ने पेराई सत्र 2025-26 के लिए राज्य गन्ना प्रतियोगिता का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इसमें हरदोई, श-ाहजहांपुर, बिजनौर, शामली और मुजफ्फरनगर के किसान अलग-अलग श्रेणियों में बेहतर उत्पादन के लिए विजेता बने हैं। वहीं दो श्रेणियों में पीलीभीत के किसानों का पुरस्कार मिला है। गन्ना एवं चीनी आयुक्त मिनिस्थी एस. ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए सात वर्गों में 1078 आवेदन पत्र आए थे। विभाग द्वारा नामित कटाई अधिकारियों से प्राप्त परिणामों के आधार पर किसानों को विजयी घोषित किया गया है। इनमें शीघ्र पौधा संवर्ग में रूपापुर हर-दोई के अमर सिंह 2430.00 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त कर प्रथम रहे। वहीं पूरनपुर पीलीभीत के सुखदीप सिंह दूसरे और तिलहर श-ाहजहांपुर के कौशल कुमार तीसरे स्थान पर रहे। पेड़ी संवर्ग में ऐरेटी शामली के देवेन्द्र 1998.50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज से प्रथम स्थान प्राप्त किया, बिडवी सहारनपुर के सुधीर द्वितीय व खतौली बागपत के अनुज पंवार तृतीय विजेता बने। कौन किस पांयदान पर रहा? सामान्य पौधा संवर्ग में तिलहर शाहजहांपुर के कौशल कुमार ने 1725.50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त कर पहले स्थान पर रहे, अगौता बुलंदशहर के सुधीर सिंह दूसरे व नत्थूगढ़ी बुलंदशहर के जितेन्द्र कुमार तीसरे स्थान पर रहे। ड्रिप विधि से सिंचाई पौधा संवर्ग में अफजलगढ़ बिजनौर के अक्षांश सिंह 2068.50 क्विंटल हेक्टेयर उउपज संग प्रथम स्थान पर रहे, अगौता बुलंदशहर के महावीर दूसरे और रतनपाल सिंह तीसरे स्थान पर रहे। ड्रिप विधि से सिंचाई-पेड़ी संवर्ग में टिटौली शामली के इन्द्रपाल सिंह ने 1865.00 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, धामपुर बिजनौर के समरजीत सिंह दूसरे व खाईखेड़ी मुजफ्फरनगर की र-ाकेशवती तीसरे स्थान पर रहीं। युवा गन्ना किसान पौधा संवर्ग में खतौली मुजफ्फरनगर के नितिन चौधरी ने 1690.50 क्विंटल हेक्टेयर उपज से प्रथम स्थान हासिल किया, लुहा-रवाली बिजनौर के श्रेम विशेष सिंह दूसरे व मंसूरपुर मुजफ्फरनगर के निकित कुमार तीसरे विजेता बने। युवा गन्ना किसान पेड़ी-संवर्ग में वाधवी शामली के उज्जवल देशवाल ने 1507.00 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज संग प्रथम स्थान प्राप्त किया, ऊन शामली के अमित कुमार द्वितीय व थानाभवन शामली के जितेन्द्र तृतीय रहे। आयुक्त ने बताया कि सभी प्रथम पुरस्कार विजेताओं को 51 हजार रुपये, द्वितीय विजेताओं को 31 हजार और तृतीय स्थान पाने वाले किसानों को 21 हजार रुपये की धनराशि व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। वहीं, विभिन्न संवर्गों के विजेताओं में पूर्वी उप्र के किसानों की सहभागिता न होने और इस क्षेत्र में गन्ना खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में शीघ्र पौधा संवर्ग के किसान सत्यनरायन सेवरही कुशीनगर, पेड़ी संवर्ग के देवेन्द्र राय हाटा कुशीनगर, समान्य पौधा संवर्ग के राम शरद रूधौली बस्ती और युवा गन्ना किसान पौधा संवर्ग के किसान नीरज कुमार घोघली महराजगंज को प्रोत्साहन पु-रस्कार के स्वरूप पांच-पांच हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे।

नजीबाबाद रेलवे यार्ड में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, सिर धड़ से अलग



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद रेलवे यार्ड में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 के बीच मेनलाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से करीब 30-35 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि मृतक का सिर धड़ से अलग हो गया और शव क्षत-विक्षत हालत में मिला। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए रेलवे ट्रैक बाधित रहा, जिसे पुलिस ने क्लियर कराया। तलाशी के दौरान मृतक के पास से केवल एक VIVO का मोबाइल फोन बरामद हुआ है, जबकि कोई पहचान पत्र या रेलवे टिकट नहीं मिला। जीआरपी पुलिस मोबाइल की मदद से मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि हादसा किस ट्रेन से हुआ और व्यक्ति ट्रैक तक कैसे पहुंचा। पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है।



लक्ष्मण के रोल में दो बार रिजेक्ट हुआ, राम के रोल में चुना गया

'यारियां' से अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाले देव शर्मा अभिनय की दुनिया में आने से पहले थिएटर और असिस्टेंट डायरेक्टर का अनुभव लेकर फिल्म मेकिंग और अभिनय की बारीकियां सीख चुके थे। 'मुजफ्फर नगर', 'जंक्शन वाराणसी', 'बेखुदी' जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके देव इन दिनों चर्चा में हैं अपनी ताजा-तरीन फिल्म महाकाव्य 'श्री रामायण कथा' से। इस फिल्म में वे श्री राम की भूमिका में हैं।

सोशल मीडिया पर यह खबर सुर्खियों में है कि देव शर्मा को 'रामायण' में लक्ष्मण के किरदार के लिए एक नहीं, बल्कि दो बार रिजेक्ट किया गया था। अपनी नई फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे देव कहते हैं, 'हां, यह सच है। 'रामायण' में श्रीराम का किरदार मिलने से पहले मैं दो बार लक्ष्मण के लिए रिजेक्ट हुआ था। पहली बार (आदि पुरुष) में मेरा लुक टेस्ट अच्छा गया था, लेकिन उस रोल के लिए 20-25 और लोग भी कोशिश कर रहे थे। मुझे लगता है कि जिस कलाकार को चुना गया, उस दिन उसका अभिनय मुझसे थोड़ा बेहतर रहा होगा। दूसरी बार (रामायण) में भी बात कास्टिंग और शारीरिक बनावट के अनुपात की थी। अगर राम का किरदार निभाने वाला कलाकार 6 फीट 1 इंच का है और लक्ष्मण के लिए कोई 6 फीट 3 इंच का है, तो कद-काठी के अनुपात को देखते हुए उसे शुरुआत में ही रिजेक्ट किया जा सकता है, क्योंकि परंपरागत रूप से लक्ष्मण को कद में राम से छोटा दिखाया जाता है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि रणबीर कपूर ने मुझे उस रोल से निकलवाया या मेरे साथ किसी तरह का नेपोटिज्म हुआ।'

पहले लगा रामायण मेरी किस्मत में नहीं

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा कुछ नहीं था। कलाकारों के चयन के अपने मापदंड होते हैं और फैसला उन्हीं के आधार पर लिया जाता है। दो बार रिजेक्ट होने के बाद मुझे लगा कि शायद 'रामायण' मेरे नसीब में नहीं है और मैंने तय कर लिया कि अब यह नहीं करना। लेकिन फिर निर्देशक अभिषेक का फोन आया। मुझे लगा कि वह फिर लक्ष्मण के लिए बुला रहे हैं, तो मैंने साफ कह दिया कि अब मैं यह किरदार नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, 'मैं आपको लक्ष्मण के लिए नहीं, राम जी के लिए बुला रहा हूं।' उस पल लगा कि हम इंसान भगवान से छोटी-छोटी चीजें मांगते हैं, जबकि हमारी किस्मत में शायद उससे कहीं बड़ी चीज लिखी होती है। जिस किरदार के लिए मैं दो बार रिजेक्ट हुआ, आखिरकार उसी 'रामायण' में मुझे श्रीराम बनने का मौका मिला।'

कृष 3 में असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहा

अभिनय की दुनिया में आने से पहले देव शर्मा राकेश रोशन के साथ 'कृष 3' में असिस्टेंट के तौर पर काम कर चुके हैं। वे बताते हैं, 'जब मैं असिस्टेंट के रूप में जुड़ा, तो विशाखापट्टनम से ग्रेजुएशन करने और तेलुगू अच्छी होने का मुझे काफी फायदा मिला।
फिल्म की शूटिंग साउथ के रामोजी राव स्टूडियो में हो रही थी और क्राउड मैनेजमेंट से लेकर लोकल लोगों से कम्यूनिकेट करने तक मेरी भाषा की जानकारी बहुत काम आई। राकेश सर इस बात से काफी इम्प्रेस थे कि हमारा कम्यूनिकेशन इतनी आसानी से हो जाता था। मेरे लिए यह किसी सुपरपावर से कम नहीं था। राकेश सर की सबसे खास बात उनकी विनम्रता और जमीन से जुड़ा होना था। उनके सेट पर आर्टिस्ट और क्रू के बीच कोई फर्क नहीं किया जाता था।

अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है

राम को लेकर की जाने वाली राजनीति पर वे कहते हैं, 'देखिए, जो लोग राम या रामायण जैसे विषयों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीति के लिए कर रहे हैं, उनका भला नहीं होने वाला। किसी भी विषय को किस तरह लिखा जा रहा है, उसका कंटेंट क्या है, उसे बनाने वाले की नीयत क्या है और वे कहना क्या चाहते हैं, यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बचपन से हम अपने माता-पिता से संस्कार और सभ्यता सीखते हैं। हमारी संस्कृति, धरोहर और इतिहास हमें बेहतर इंसान बनने की सीख देते हैं। श्रीराम का चरित्र भी इन्हीं मूल्यों की मिसाल है, चाहे नारी सम्मान हो, त्याग हो, भाईचारा हो या जिम्मेदारी को समझकर उसे निभाना। ऐसी फिल्मों के जरिए हमें इन्हीं मूल्यों की बात करनी चाहिए। राम हर मन में बसते हैं, लेकिन रावण भी हर मन में मौजूद है। फर्क सिर्फ इतना है कि हमारी परवरिश, संस्कार और कर्म तय करते हैं कि हम अपने भीतर के राम को मजबूत करते हैं या रावण को हावी होने देते हैं। हमें अपने राम को बाहर खोजने की जरूरत नहीं, बल्कि अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है।'



ब्रेकअप के बाद जिंदगी बदल गई है

अभिनेत्री उदिति सिंह इस समय रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' में नजर आ रही हैं। शो के दौरान उदिति ने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड और अभिनेता करण वाही के साथ रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की। उदिति ने बताया कि कैसे 'कोविड-19' लॉकडाउन के दौरान उनका रिश्ता खराब होने लगा था। साथी कंटेस्टेंट स्काउट से बात करते हुए उदिति ने कहा कि अलग होने के बाद उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पूरी तरह बदल गई। उदिति ने कहा, 'ब्रेकअप के बाद मेरे लिए यह एक तरह से वरदान साबित हुआ। क्योंकि उसके बाद मेरा पूरा करियर, मेरी पूरी लाइफ, सब कुछ बदल गया था।' उन्होंने आगे बताया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने और उनके एक्स-पार्टनर ने एक गोल्डन रिट्रीवर डॉग को अडॉप्ट किया था, जिसका नाम 'नोआ' है। उदिति सिंह ने कहा, 'हमने लॉकडाउन में साथ में नोआ नाम का गोल्डन रिट्रीवर लिया था, तो उसी को लेकर हमारे बीच काफी झगड़े शुरू हो गए थे। उस वक्त कोविड भी था, तो हम दोनों पर सफाई का काफी काम रहता था। मेरा सफाई करने का तरीका अलग था और उसका अलग। फिर वह इस बात को लेकर थोड़ा डॉमिनेट भी करता था और कहता था, 'तुम्हें नहीं आता।' क्योंकि वह उम्र को लेकर बहुत ज्यादा सोचता था, उसके लिए हर चीज ऐसी थी कि 'तुमसे नहीं हो पाएगा। तुम्हें ये-वो नहीं आता।', 'तुम नोआ को नहीं संभाल पाओगी।' तो मुझे लगता था कि मेरा पार्टनर बहुत डीमोटिवेट करने वाला है।' उदिति ने आगे कहा, 'ऐसा ही होता है, जब दो लोगों का एक होना नहीं लिखा होता है, तो बात-बात पर लड़ाई होती है और जब एक होना लिखा होता है, तब सब कुछ अच्छा होता है।' उदिति का यह बयान 'बिग बॉस 20' के घर में करण के साथ अपने रिश्ते को लेकर पहले की गई बातों के बाद आया है। दोनों के रिश्ते के बारे में साल 2019-20 के आसपास सभी को पता था, उस वक्त करण ने उदिति के साथ तस्वीरें भी शेयर की थीं। बताया जाता है कि उनका रिश्ता काफी सीरियस था। उदिति ने पहले घरवालों को बताया था कि दोनों करीब ढाई साल तक साथ रहे थे और शादी तक की बात भी हुई थी।



बिग बॉस से बाहर आते ही छलका ईशा रिखी का दर्द

सलमान खान होस्टेड रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में आए दिन कुछ न कुछ नया और धमाकेदार देखने को मिल रहा है। इसमें कुल 16 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया, जिसमें से दो प्रतियोगी रोहैद खान और ईशा रिखी अभी तक बाहर हो गए हैं। तीन हफ्ते घर में रहने के बाद अब बादशाह की एक्स वाइफ ने शो से बाहर आते ही सोशल मीडिया पर एक लंबा-चौड़ा नोट शेयर किया है। ईशा ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए पोस्ट में लिखा, 'बिग बॉस के घर के अंदर बिताए तीन हफ्ते... तीन हफ्ते जिनमें मैंने बहुत सारी भावनाएं, अनुभव, चुनौतियां, हंसी, आंसू और ऐसी यादें जी हैं, जिन्हें मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। वापस आने के बाद मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है।' ईशा ने पोस्ट में आगे लिखा, 'उन सभी लोगों का दिल से शुक्रिया, जो मेरे साथ खड़े रहे, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया, मुझे चीयर किया। उनका भी शुक्रिया, जिन्होंने मेरा साथ नहीं दिया। मैं हर राय, हर मैसेज और इस सफर का किसी भी तरह हिस्सा रहे हर एक इंसान के लिए आभारी हूं।'
ईशा ने आगे बताया, 'पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे। मेरे कुछ इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, कुछ ऐसे पल आए जब मैं अपनी बात ठीक से नहीं कह पाई और कुछ मौकों पर शायद मैं वैसा नहीं दिख पाई, जैसा मैं खुद को दिखाना चाहती थी। मुझे पता है कि शायद मैंने आपमें से कुछ लोगों को निराश किया होगा और अगर ऐसा हुआ है तो मुझे सच में अफसोस है। मैं अभी भी इन सब चीजों को समझ रही हूं, खुद को बेहतर तरीके से जानने की कोशिश कर रही हूं और इस पूरे अनुभव से सीख रही हूं।'

ईशा ने क्यों कहा शुक्रिया

अपनी बात खत्म करते हुए ईशा ने लास्ट में लिखा, 'लेकिन एक बात जो मैं आप सभी को बताना चाहती हूं, वह यह है कि मैंने आपका प्यार महसूस किया। भले ही मैं खुद ज्यादा कुछ जाहिर नहीं कर पाई, लेकिन यह बात मेरे लिए शब्दों में बयां करने से कहीं ज्यादा मायने रखती है। मेरे साथ खड़े रहने, मुझे समझने और लगातार मेरा सपोर्ट करने के लिए आपका शुक्रिया। मैं सच में, बहुत-बहुत आभारी हूं।'

कौन हैं ईशा रिखी

ईशा रिखी पंजाबी अभिनेत्री हैं। उन्होंने साल 2013 में आई फिल्म 'जट्ट बॉयज पुत्त जट्टा दे' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'हैप्पी गो लकी', 'अरदास' और 'मिंडो तसीलदारनी' जैसी कई फिल्मों में दिखाई दीं। इस साल की शुरुआत में ईशा रैपर-सिंगर बादशाह से शादी करने को लेकर सुर्खियों में आई थीं। हालांकि, दोनों का रिश्ता पांच महीने ही चला और दोनों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए अपने अलग होने का ऐलान भी कर दिया। इसके बाद ईशा ने 'बिग बॉस 20' में हिस्सा लिया था और अब वह वहां से भी बाहर हो गई हैं।



इश्वाक सिंह ने वाणी के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

इन दिनों अपनी फिल्म 'गांधारी' को लेकर चर्चा में चल रहे इश्वाक सिंह ने 'पाताल लोक', 'रॉकेट बॉयज' और 'बर्लिन' जैसे प्रोजेक्ट्स में गंभीर और दमदार किरदार निभाए हैं। लेकिन अब अभिनेता एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। वह वाणी कपूर के साथ फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे। दोनों की यह पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। फिल्म में काम करने के अनुभव को लेकर इश्वाक ने बताया, 'शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा। यह एक बेहतरीन टीम थी, को-एक्टर बहुत अच्छे थे और डायरेक्टर सोनाली भी बहुत प्यारी हैं। उनके साथ काम करने में बहुत अच्छा समय बीता।'
बता दें कि फिल्म की शूटिंग 2023 में पूरी हो गई थी, लेकिन रिलीज लंबे समय से टली हुई थी। इस बारे में पूछने पर अभिनेता ने कहा, 'देखिए, फिल्म कब रिलीज होगी, फिलहाल मेरे पास इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। अब जब टीजर भी अनाउंस हो चुका है, मुझे पूरा यकीन है कि यह जल्द रिलीज होगी।'
वाणी कपूर के साथ काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'वाकई में, फिलहाल मुझे इस फिल्म के बारे में बोलने की इजाजत नहीं। पर हां, उनके साथ काम करने में काफी अच्छा लगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी।'



लस्ट स्टोरीज 3 में सायरा बनकर छाईं अदिति राव हैदरी

अदिति राव हैदरी इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई 'लस्ट स्टोरीज 3' को मिल रहे प्यार और सराहना का आनंद ले रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री ने अपने समय से काफी आगे का किरदार निभाया है। सायरा के किरदार में अदिति न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पर्दे पर उतारती हैं, बल्कि पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती को भी भावनात्मक रूप से दर्शाती हैं। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पर्दे पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। फिल्म में गजराज राव उनके ऑन-स्क्रीन ससुर के किरदार में नजर आते हैं। अदिति बताती हैं, जो कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया। कहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। उन्होंने कहा, क्योंकि हर कोई कहता है, 'ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है।' लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुर में एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है। जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, कल ही यह बात मेरे मन में आई कि यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहां इच्छाएं अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं।
वह आगे कहती हैं, एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस तलाश पाना, मुझे यह भी बेहद अद्भुत लगता है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आवाज है। यह हमें अपने होने का एक ऐसा एहसास देता है, जो पूरी तरह हमारा है। अदिति ने कहा, मुझे जिंदगी में यह बात हमेशा बहुत खूबसूरत लगती है। इसलिए मुझे वह सीन बहुत पसंद आया, क्योंकि उसमें बहुत कोमलता थी। मेरे पिता का निधन उस समय हुआ जब उन्हें अभी और जीना चाहिए था। वह बीमार थे। इसलिए मेरे लिए माता-पिता और बच्चे के बीच का कोई भी सीन बहुत... बहुत ज्यादा मायने रखता है। वह मेरे लिए बेहद भावुक था। वह बहुत खूबसूरत था।



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।